सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 198 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 02 मई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

7 साल के नन्हे तैराक ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड, 29 किलोमीटर तैर कर जीत लिया समंदर

रांची ए.। झारखंड की राजधानी रांची के रहने वाले 7 साल के नन्हे तैराक इशांक ने समुद्र की लहरों को मात देकर पूरी दुनिया में भारत का डंका बजा दिया है। नन्हे तैराक इशांक ने इतिहास रचते हुए श्रीलंका के तलाईमन्नार से भारत के धनुषकोड़ी तक लगभग 29 किलोमीटर का खतरनाक समुद्री रास्ता (पाक जलडमरूमध्य) पार कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। इस उपलब्धि के साथ इशांक श्रीलंका और भारत के बीच स्थित 'पाक स्ट्रेट' को तैरकर पार करने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के तैराक बन गए हैं।

इशांक ने यह सफर मात्र 9 घंटे 50 मिनट में तय कर पूरे देश का नाम रोशन किया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड तमिलनाडु के जय जशवंत के नाम था। इशांक ने 30 अप्रैल 2026 को अपना यह साहसिक अभियान पूरा किया। उनकी यह उपलब्धि कठोर प्रशिक्षण, अनुशासन एवं अदम्य साहस का परिणाम है। इस असाधारण उपलब्धि के लिए उन्हें यूनिवर्सल रिकाड्र्स फोरम (यूआरएफवर्ल्ड रिकाड्र्स) के जरिए 'द यंगेस्ट एंड फास्टेस्ट पाक स्ट्रेट स्वीमर' का विश्व रिकार्ड प्रमाणपत्र से भी नवाजा गया है।

कठोर प्रशिक्षण और संकल्प

अपने इस 'लक्ष्य' को हासिल करने के लिए इशांक ने रांची के धुर्वा डैम में रोजाना 4-5 घंटे तक कड़ी मेहनत की। उन्होंने अपने प्रशिक्षकों अमन कुमार जायसवाल और बजरंग कुमार के मार्गदर्शन में विशेष प्रशिक्षण हासिल कर यह मुकाम पाया। उनके इस साहसिक कारनामे ने पूरे देश और झारखंड को गौरवान्वित कर तिरंगे का मान बढ़ाया है।

शहर में खुशी की लहर

रांची के डीएवी श्यामली की कक्षा तीसरी में पढ़ने वाले इशांक की इस सफलता पर उनके स्कूल के प्रिंसिपल बीएन झा ने कहा कि यह हमारे विद्यालय और पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है। छोटी उम्र में समुद्र का सामना करना असाधारण साहस का उदाहरण है। इशांक ने साबित कर दिया कि समर्पण से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

खास-खबर

भारतमाला मुआवजा घोटाले पर सख्ती, अब हर खसरा नंबर की होगी जांच

रायपुर। भारतमाला परियोजना से जुड़े मुआवजा वितरण में गड़बड़ी के आरोपों के बीच प्रशासन ने एक बार फिर सख्त रुख अपनाया है। संभाग आयुक्त महादेव कांवरे के निर्देश पर पूरे मामले की गहन जांच के लिए दो नई टीमों का गठन किया गया है। इस बार जांच का दायरा व्यापक रखा गया है, जिसमें सभी खसरा नंबरों की पड़ताल की जाएगी। प्रशासन के अनुसार अब केवल शिकायत वाले मामलों तक जांच सीमित नहीं रहेगी, बल्कि जिन जमीनों पर मुआवजा दिया गया है, उन सभी खसरों की विस्तार से जांच होगी। अधिकारियों को एक महीने के भीतर जांच पूरी कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। रायपुर जिले में जांच की जिम्मेदारी डिप्टी कलेक्टर ज्योति सिंह की टीम को सौंपी गई है, जबकि धमतरी जिले में अपर कलेक्टर पवन कुमार के नेतृत्व में जांच की जाएगी। जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट राज्य सरकार को भेजी जाएगी, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी।

गर्मी से राहत की शुरुआतः छत्तीसगढ़ में बादलों की दस्तक

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मौसम में लंबे समय से झुलसा रही गर्मी के बीच अब

बदलाव साफ नजर आने लगा है। आसमान में छाए बादलों ने तापमान पर असर डालना शुरू कर दिया है और कई इलाकों में हल्की बारिश ने मौसम को सुहाना बना दिया है। मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले चार दिनों तक प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में तेज हवा, बिजली गिरने और हल्की बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है। इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। शनिवार को दिनभर बादल छाए रहेंगे और तापमान 42 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है। शुक्रवार को प्रदेश के कुछ हिस्सों में बूंदाबांदी हुई, जिससे तापमान गिरा। दुर्ग में पारा 43.6 डिग्री तक पहुंच गया। वहीं अंबिकापुर में सबसे कम तापमान 24.1 डिग्री रिकॉर्ड हुआ।

बिलासपुर जोन की 18 ट्रेनें 19 दिन कैंसिल

बिलासपुर। जोन की 18 ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। इनमें रायपुर मंडल की 8 पैसेंजर ट्रेनें और नागपुर मंडल की 10 ट्रेनें शामिल है। ये ट्रेनें 3 मई से 22 मई के बीच अलग-अलग तारीखों में नहीं चलेंगी। वहीं, 2 गाड़ियों के रूट बदले गए हैं, जबकि 20 ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेट किया गया है। इनमें बिलासपुर और रायपुर से गुजरने वाली कई ट्रेनें हैं। इस वजह से टाटानगर, इतवारी, बालाघाट के अलावा रायगढ़, कोरबा, गेवरा रोड से बिलासपुर और रायपुर जाने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

इमरजेंसी मोबाइल अलर्ट ट्रायल : देशभर में करोड़ों मोबाइल पर एकसाथ आया मैसेज

सायरन की आवाज के साथ आया मैसेज, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने की टेस्टिंग

नई दिल्ली। देशभर में शनिवार सुबह 11.45 बजे करोड़ों लोगों के मोबाइल फोन पर सायरन की आवाज के साथ स्क्रीन पर इमरजेंसी अलर्ट दिखाई दिया। सायरन बंद होने के बाद इस अलर्ट को पढ़कर भी सुनाया गया। कई लोग इससे परेशान हो गए, तो कई कन्फ्यूज।

दरअसल यह मैसेज राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, यानी NDMA ने भेजा था, जो इमरजेंसी मोबाइल अलर्ट ट्रायल का हिस्सा है। NDMA ने इमरजेंसी में लोगों तक सूचना पहुंचाने के लिए 2 मई को सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट सिस्टम का परीक्षण किया था। NDMA ने मोबाइल SMS को सेल ब्रॉडकास्ट (CB) तकनीक से जोड़ा है। इससे चुने गए इलाके में एक्टिव सभी मोबाइल फोन पर एक साथ अलर्ट मिलेगा। इससे इमरजेंसी के समय रियल टाइम सूचना पहुंच सकेगी।

सरकार ने पहले ही बताया था- मैसेज से घबराएं नहीं

सरकार ने दो दिन पहले ही मैसेज भेजकर लोगों से अपील की थी कि टेस्टिंग वाला मैसेज मिलने पर घबराएं नहीं। शनिवार का मैसेज केवल इमरजेंसी के हालात में चेतावनी देने वाले सिस्टम की जांच के लिए भेजा गया था।

देशभर में इमरजेंसी मैसेज की एक साथ टेस्टिंग

शनिवार को देश के सभी राज्यों की राजधानियों और दिल्ली-एनसीआर में सभी मोबाइल फोन पर एक साथ टेस्टिंग मैसेज भेजा गया। यह मैसेज हिंदी और अंग्रेजी के साथ सभी क्षेत्रीय भाषाओं में भी भेजा गया। इस मैसेज में लोगों को बताया गया कि यह केवल परीक्षण है और इस पर कोई एक्शन लेने की जरूरत नहीं है। हालांकि कुछ देर के लिए ही सही लोग परेशान हुए और अचानक आए अलर्ट मैसेज से घबराहट भी हुई।

देश में ही विकसित किया गया है SACHET सिस्टम

इमरजेंसी की स्थिति में लोगों को रियल टाइम अलर्ट देने के लिए सरकारी संस्था सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमेटिक्स (C-DOT) ने इंटीग्रेटेड अलर्ट सिस्टम 'SACHET' को विकसित किया है। सचेत नाम का यह सिस्टम कॉमन अलर्टिंग प्रोटोकॉल पर आधारित है। इसे देश के सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एक्टिव कर दिया गया है।

रायपुर में आईपीएल का डबल धमाका, कल से टिकट बुकिंग

- 10 व 13 मई को होंगे मैच, क्रिकेट प्रेमियों में उत्साह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। क्रिकेट प्रेमियों के लिए बड़ी खबर है। शहर में 10 और 13 मई को आईपीएल के दो हाई-वोल्टेज मुकाबले खेले जाएंगे, जिनकी टिकट बुकिंग 3 मई से शुरू होने जा रही है। आयोजकों ने स्पष्ट किया है कि टिकट केवल आधिकारिक प्लेटफॉर्म के माध्यम से ही उपलब्ध होंगे, इसलिए फर्जी वेबसाइट्स से बचने की सलाह दी गई है।

दोनों मैच शाम 7:30 बजे से खेले जाएंगे। पहले मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस आमने-सामने होंगी, जबकि दूसरे मैच में बेंगलुरु का सामना कोलकाता नाइट राइडर्स से होगा। टीमों की तैयारियों की बात करें तो बेंगलुरु की टीम 8 मई को रायपुर पहुंचने वाली है और यहां कुछ दिनों तक अभ्यास करेगी। वहीं मुंबई इंडियंस के भी इसी दौरान राजधानी पहुंचने की संभावना जताई जा रही है।

टिकट की कीमतों को लेकर भी जानकारी सामने आई है। सबसे सस्ती टिकट करीब 2000 रुपए से शुरू होगी, जबकि अन्य श्रेणियों में 2500, 3500, 5000 और 8000 रुपए तक के विकल्प उपलब्ध रहेंगे। इस बार दर्शकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए प्लैटिनम सीटों के सामने लगे कांच के पैनल भी हटा दिए गए हैं, जिससे मैच का रोमांच और करीब से महसूस किया जा सकेगा। क्रिकेट प्रेमियों के लिए यह मौका खास माना जा रहा है, क्योंकि लंबे समय बाद राजधानी में आईपीएल मैचों का आयोजन हो रहा है।

अमेरिका ने लौटाई रायपुर से चुराई गई 'अवलोकितेश्वर' की कांस्य प्रतिमा

- महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय से चुराई गई थी मूर्ति, 20 लाख डॉलर है कीमत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय से चुराई गई 'अवलोकितेश्वर' की कांस्य प्रतिमा को अमेरिका भारत को लौटा दिया गया है। 20 लाख डॉलर करीब 19 करोड़ रुपए की यह प्रतिमा उन 657 प्राचीन वस्तुओं में शामिल हैं, जिन्हें हाल ही में न्यूयॉर्क के मैनहट्टन जिला अटॉर्नी कार्यालय ने वापस किया है।

दरअसल अमेरिका ने भारत को करीब 1.4 करोड़ डॉलर मूल्य की 657 प्राचीन वस्तुएं लौटाई है। इन्हीं में रायपुर से चुराई गई 20 लाख डॉलर की 'अवलोकितेश्वर'की कांस्य प्रतिमा भी शामिल हैं। शिलालेख में कारीगर का नाम द्रोणादित्य अंकित है, जो छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के श्रीपुर (वर्तमान में सिरपुर) के निवासी थे। यह प्रतिमा वर्ष 1939 में लक्ष्मण मंदिर के पास मिली कांस्य प्रतिमाओं के एक बड़े भंडार का हिस्सा थी। साल 1952 तक रायपुर के महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय के संग्रह में शामिल हो गई थी। इसे महासमुंद जिले के लक्ष्मण मंदिर के पास से खोजा गया था।

तस्कर गिरोहों से मिली थी

प्राचीन वस्तुएं लौटाने की घोषणा मैनहट्टन के जिला अटॉर्नी एल्विन ब्रैग ने की। ये वस्तुएं कई तस्करी गिरोहों की जांच के बाद बरामद की गईं, जिनमें कुख्यात कला व्यापारी सुभाष कपूर और दोषी तस्कर नैन्सी वीनर से जुड़े गिरोह भी शामिल हैं।

राजलक्ष्मी कदम की मौजूदगी में भारत को सौंपा

इन वस्तुओं को न्यूयॉर्क स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास की दूत राजलक्ष्मी कदम की मौजूदगी में भारत को सौंपा गया। ब्रैग ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत को निशाना बनाने वाले तस्करी गिरोह का दायरा बहुत बड़ा है। यह 650 से अधिक वस्तुओं की वापसी से स्पष्ट होता है। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूत बिनय प्रधान ने मैनहट्टन जिला अटॉर्नी कार्यालय, अमेरिकी गृह सुरक्षा मंत्रालय और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सतत सहयोग की सराहना भी की।

टीएमसी को झटका : सुप्रीम कोर्ट ने कहा- चुनाव आयोग को नियुक्ति के पूरे अधिकार

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की मतगणना से पहले टीएमसी को सुप्रीम कोर्ट से एक बड़ झटका लगा है। चुनाव आयोग द्वारा वोटों की गिनती के लिए मुख्य रूप से केंद्र सरकार और पीएसयू के कर्मचारियों को तैनात करने के निर्देश के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। इस अहम मुद्दे को सुलझाने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने आज टीएमसी की याचिका पर सुनवाई की। विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने कोई भी नया आदेश पारित करने से साफ इनकार कर दिया है। दरअसल, चुनाव आयोग ने अदालत को आश्वासन दिया है कि वह अपने 13 अप्रैल के परिपत्र (सर्कुलर) का पूरी तरह से पालन करेगा।

यह पूरा मामला वोटों की गिनती करने वाले कर्मचारियों की नियुक्ति से जुड़ा हुआ है। चुनाव आयोग ने निर्देश दिया था कि बंगाल में वोटों की गिनती के लिए केंद्रीय कर्मचारियों को मतगणना पर्यवेक्षक बनाया जाएगा। टीएमसी इस फैसले का विरोध कर रही है। उनका मानना है कि इस प्रक्रिया में राज्य सरकार के कर्मचारियों को भी बराबर शामिल किया जाना चाहिए। इसी आदेश को चुनौती देने के लिए टीएमसी ने अर्जी दी थी, जिस पर जस्टिस नरसिम्हा और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने सुनवाई की।

फर्क नहीं पड़ता कि अधिकारी केंद्र का है- सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

सुनवाई के दौरान जस्टिस बागची ने यह भी कहा कि मतगणना के दौरान वहां हर राजनीतिक दल के चुनाव एजेंट मौजूद रहेंगे। इसलिए, इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता कि पर्यवेक्षक केंद्र सरकार का नामित अधिकारी है या नहीं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अधिकारियों की तैनाती पूरी तरह से चुनाव आयोग की अपनी संतुष्टि पर निर्भर करती है।

कांकेर-नारायणपुर बॉर्डर पर आईईडी ब्लास्टः 3 जवान घायल

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में कांकेर और नारायणपुर जिले की सरहद पर शनिवार को डी-माइनिंग और एरिया डॉमिनेशन ऑपरेशन के दौरान आईईडी ब्लास्ट हो गई है। ब्लास्ट की चपेट में डीआरजी के 3 जवान आ गए हैं। जख्मी हालत में उन्हें मौके से बाहर निकाला जा रहा है। मामला कांकेर के छोटे बेठिया थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार नक्सलियों ने पहले से ही आईईडी प्लांट कर रखी थी। जवान इलाके में माइन डिटेक्शन का कार्य कर रहे थे। इसी दौरान ब्लास्ट की चपेट में आने से कांकेर डीआरजीके तीन जवान घायल हो गए। घायल जवानों को तत्काल सुरक्षित स्थान पर लाया गया है। मामले की पुष्टि बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने की है।

पथरी के ऑपरेशन के बाद आरक्षक की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। पथरी के ऑपरेशन के बाद आरक्षक की तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। जिससे नाराज परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया। विरोध और हंगामा को देखते हुए पुलिस ने बीच-बचाव किया। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन और दोषी डॉक्टर के खिलाफ स्न्ढ्ढक्र दर्ज करने की मांग की। वहीं, अस्पताल प्रबंधन ने हार्ट अटैक से मौत होना बताया है। मस्तूरी थाना क्षेत्र के ग्राम एरमशाही निवासी सत्यकुमार पाटले (36) पुलिस विभाग में आरक्षक था। उसकी पोस्टिंग सरकंडा थाने में थी। घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है।

दरअसल, 26 अप्रैल को उसके पेट में असहनीय दर्द हुआ, जिस पर वो इलाज कराने के लिए नेहरू नगर स्थित श्रीराम केयर अस्पताल पहुंचा। अस्पताल प्रबंधन ने 40 हजार के पैकेज में उसका ऑपरेशन किया। 28 अप्रैल को उसे भर्ती किया गया। जिसके बाद 29 अप्रैल को ऑपरेशन किया गया। सर्जरी के बाद डॉक्टर ने उसकी स्थिति बेहतर बताया। सत्या भी सामान्य था और बातचीत कर रहा था। डॉक्टर ने परिजन को बताया कि, ऑपरेशन सफ्ल हो गया है और मरीज खतरे से बाहर है। लेकिन, शुक्रवार की शाम अचानक सत्या की तबीयत बिगड़ने लगी। फ्रि उसे वेंटिलेटर पर रखा गया और शनिवार दोपहर में उसकी मौत हो गई।

यूपी में दूल्हे का कत्लः बरात लेकर पांच किमी दूर ही पहुंचा, बदमाशों ने मारी गोली

जौनपुर ए.। उत्तरप्रदेश के जौनपुर के खेतासराय थाना इलाके के बादशाही बाजार में शुक्रवार की रात करीब नौ बजे बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने शादी के लिए जा रहे दूल्हे आजाद बिंद (25) की गाड़ी को ओवरटेक कर गोली मार कर हत्या कर दी और वारदात को अंजाम देने के बाद जौनपुर की तरफ भाग निकले। घर से पांच किमी दूर दूल्हे की हत्या के बाद हड़कंप मच गया। मौके पर देर रात तक सर्किल के सभी थानों की फोर्स तैनात रही। घटना के कारण को लेकर तरह तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। वहीं इस घटना से गांव के आसपास हड़कंप मच गया।

सरायख्वाजा थाना इलाके के बडौर गांव निवासी आजाद बिंद (25) पुत्र रामलखन बिंद की बरात दस किमी दूर खेतासराय थाना क्षेत्र के बीबीपुर जम जमदहां गोरखनाथ बिंद के घर जा रही थी। बरात करीब पांच किमी दूर आगे बादशाही बाजार पहुंची थी।

आरोप है कि पहले से घात लगाए अपाची बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने ओवरटेक कर दूल्हे पर तमंचे से तीन राउंड फायरिंग की, जो दूल्हे को लग गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बराती जब तक कुछ समझ पाते हमलावर जौनपुर की तरफ भाग निकले।

वहीं, गोली लगने से दूल्हा गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे आनन-फानन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सोंधी ले जाया गया। हालत नाजुक देखते हुए चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफ्र कर दिया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। क्षेत्र में इस घटना के बाद दहशत का माहौल है। एसपी कुंवर अनुपम सिंह ने बताया कि शव को संरक्षण में लेकर जांच की जा रही है।

संपादकीय

शोर का न ओर-छोर

ध्वनि प्रदूषण का सेहत पर घातक असर

यूं तो हाल के वर्षों में आम भारतीय की अभिव्यक्ति में तल्खी व शोर का ग्राफ तेज हुआ है। अभिव्यक्ति का मुखर होना अच्छा है लेकिन उसका तल्ख होना, किसी की भी सेहत के लिए अच्छा नहीं है। वैसे हमारे परिवेश में लगातार बढ़ता शोर झेलना हमारी नियति हो चला है। सड़कों पर वाहनों के शोर, नये दौर के कर्कश संगीत से लेकर राजनीतिक विमर्श में होने वाले शोरगुल वाले संवाद से लेकर तमाम ऐसा कुछ घट रहा है, जो हमारी परेशानी का सबब बन रहा है। यूं तो कोई प्रामाणिक राष्ट्रव्यापी वैज्ञानिक शोध व्यापक रूप में हमारे सामने तो नहीं आए हैं जो ठीक-ठीक बताएं कि ध्वनि प्रदूषण हमारी सेहत पर कितना घातक असर डाल रहा है। लेकिन गाहे-बगाहे सामने आए आंकड़े इस बात की पुष्टि जरूर करते हैं कि लगातार बढ़ता शोर हमारी सेहत बिगाड़ रहा है। लेकिन इसके बावजूद इसे रोकने के लिए उचित निगरानी, समयबद्ध कार्रवाई और दंड के प्रावधान लागू होते नजर नहीं आते हैं। लेकिन विभिन्न अध्ययनों के निष्कर्ष बता रहे हैं देश के महानगरों से लेकर कस्बों तक हमारे परिवेश का शोर तय मानकों से कहीं अधिक है। जाहिरा तौर ये शोर हमारी सेहत को गहरे तक प्रभावित कर रहा है। जिससे न केवल हमारी श्रवण शक्ति कमजोर हो रही है बल्कि नींद में कमी, मानसिक तनाव, उच्च रक्तचाप के अलावा हृदय रोग तक का खतरा बढ़ रहा है। लेकिन इस दिशा में कागजों में तो लुभावनी योजनाएं तो बनायी जाती हैं लेकिन जमीनी हकीकत बदलती नजर नहीं आती। यह सुखद है कि पिछले दिनों देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इस दिशा में नई पहल शुरू की गई है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति ने ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया आरंभ की है। दावा किया जा रहा है कि प्रदूषण के स्रोतों की कायदे से निगरानी होगी। इसके अलावा समयबद्ध ढंग से कार्रवाई होगी। साथ ही जुर्माना भी अनिवार्य रूप से वसूला जाएगा। ये तो आने वाला वक्त बताएगा कि अच्छी योजना कितनी जमीनी हकीकत बनती है।

> यूं तो कोई प्रामाणिक राष्ट्रव्यापी वैज्ञानिक शोध व्यापक रूप में हमारे सामने तो नहीं आए हैं जो ठीक-ठीक बताएं कि ध्वनि प्रदूषण हमारी सेहत पर कितना घातक असर डाल रहा है। लेकिन गाहे-बगाहे सामने आए आंकड़े इस बात की पुष्टि जरूर करते हैं कि लगातार बढ़ता शोर हमारी सेहत बिगाड़ रहा है। लेकिन इसके बावजूद इसे रोकने के लिए उचित निगरानी, समयबद्ध कार्रवाई और दंड के प्रावधान लागू होते नजर नहीं आते हैं। लेकिन विभिन्न अध्ययनों के निष्कर्ष बता रहे हैं देश के महानगरों से लेकर कस्बों तक हमारे परिवेश का शोर तय मानकों से कहीं अधिक है। जाहिरा तौर ये शोर हमारी सेहत को गहरे तक प्रभावित कर रहा है। जिससे न केवल हमारी श्रवण शक्ति कमजोर हो रही है बल्कि नींद में कमी, मानसिक तनाव, उच्च रक्तचाप के अलावा हृदय रोग तक का खतरा बढ़ रहा है। लेकिन इस दिशा में कागजों में तो लुभावनी योजनाएं तो बनायी जाती हैं लेकिन जमीनी हकीकत बदलती नजर नहीं आती।

लेकिन सवाल यह है कि जब देश में पहले से शोर नियंत्रण के कानून मौजूद हैं और हमारी अदालतें भी समय-समय पर हमारे नीति नियंताओं को आगाह करती ही रहती हैं, तो फिर सूरत क्यों नहीं बदलती। आखिर इन नियम-कानूनों के क्रियान्वयन में कहां खोट रह जाता है। यहां यह उल्लेखनीय है कि ध्वनि प्रदूषण विनियमन और नियंत्रण नियम, 2000 के तहत ध्वनि विस्तारक यंत्रों, निर्माण कार्यों और उद्योगों में इस्तेमाल की जाने वाली मशीनों, वाहनों के हार्न आदि अन्य स्रोतों को नियंत्रित करने का प्रयास किया गया था। ताकि लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण की रक्षा हो पाए। उल्लेखनीय है कि ये प्रावधान दिन व रात के लिये अलग-अलग हैं। जिसके अंतर्गत रात के दस बजे से लेकर सुबह छह बजे के मध्य लाउडस्पीकर लगाना मना है। यदि अपरिहार्य कारणों से कुछ अधिक समय के लिये इसका उपयोग किया भी जाना है तो संबंधित अधिकारी से अनुमति लेना अनिवार्य है। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि इन कानूनों का जमकर उल्लंघन करना शान समझा जाता है। जाहिर बात है कि जिन अधिकारियों की जिम्मेदारी इसकी निगरानी और रोकने के लिये होती है वे अपने दायित्वों को भलीभांति निर्वहन नहीं करते हैं। सख्ती के अभाव में लोग इसे न्यू नॉर्मल बना देते हैं। विडंबना यह है कि छोटे शहरों व कस्बों ही नहीं, बड़े शहरों में भी ध्वनि का स्तर नापने वाले यंत्र या तो लगे नहीं हैं, या फिर वे ठीक से काम नहीं कर रहे होते हैं। यही वजह है कि देश के सामने वह तस्वीर नहीं उभरती कि देश में ध्वनि प्रदूषण का स्तर कितना घातक हो चला है। जाहिर बात है कि देश में जब प्रामाणिक डाटा ही उपलब्ध नहीं है तो उसके निदान और उसके पड़ने वाले घातक प्रभावों की हकीकत कैसे सामने आएगी। वास्तव में गैर जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। यदि वे फिर भी अपने कर्तव्यों का पालन नहीं करते तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए।

खाद्यान्नों से जुड़ी भारत की कहानी में एक निर्णायक मोड़

श्री अविनाश जोशी

भारत आज अपने आर्थिक सफर के एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। अब जबकि हमारा देश दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की दिशा में अग्रसर है, विकास को सिर्फ उत्पादन की मात्रा से ही नहीं, बल्कि हमारे द्वारा सृजित मूल्य के आधार पर भी मापना होगा। खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की तुलना में बहुत कम क्षेत्र ही ऐसे हैं, जहां इस प्रकार का बदलाव बिल्कुल साफ नजर आता है।

भारत खाद्यान्नों, फलों, सब्जियों, दूध और समुद्री उत्पादों के सबसे बड़े उत्पादक देशों में से एक है। दशकों तक, हमारे कृषि संबंधी सामर्थ्य ने देश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की। फिर भी, इस उपज का एक बड़ा हिस्सा पारंपरिक रूप से बेहद ही सीमित मूल्यवर्धन के साथ सीधे खेत से बाजार तक पहुंचता रहा।

आज भारत के कृषि उत्पादन का महज 12-13 प्रतिशत हिस्सा ही प्रसंस्करण से गुजरता है। उत्पादन और प्रसंस्करण के बीच का यही अंतर भारतीय अर्थव्यवस्था में उपलब्ध सबसे बड़े अवसरों में से एक है। इसलिए, खाद्यान्नों से जुड़ी भारत की यात्रा का अगला चरण बिल्कुल स्पष्ट है: कृषि की प्रचुर संपदा को उच्च मूल्य वाले एवं वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी खाद्य उत्पादों में परिवर्तित करना।

पीएलआई योजना के पीछे की परिकल्पना

इस अवसर को पहचानते हुए, भारत सरकार ने मार्च 2021 में कुल 10,900 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए उत्पादन पर आधारित प्रोत्साहन योजना (पीएलआईएसएफपीआई) की शुरुआत की। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई) द्वारा इस योजना को 2021-22 से 2026-27 तक की छह साल की अवधि के लिए लागू किया जा रहा है।

इस योजना के पीछे का मूल विचार सरल लेकिन ठोस है: खाद्य प्रसंस्करण क्षमता, नवाचार और वैश्विक ब्रांडिंग के विस्तार में निवेश करने वाली कंपनियों को पुरस्कृत करना। कुल मिलाकर, यह योजना इन-स्टोर ब्रांडिंग, अंतरराष्ट्रीय खुदरा श्रृंखलाओं में शेल्फ स्पेस और वैश्विक विपणन अभियानों में निवेश करने हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करके भारत में खाद्य उत्पादन से जुड़ी वैश्विक स्तर की कई चैंपियन कंपनियां तैयार करती है।

रणनीतिक डिजाइन: एक आधुनिक खाद्य इकोसिस्टम का निर्माण

पीएलआईएसएफपीआई योजना की संरचना को सावधानीपूर्वक तीन प्रमुख स्तंभों पर आधारित रखा गया है।

1. उच्च क्षमता वाले खाद्य क्षेत्रों को प्रोत्साहन देना
पहला घटक पकाने के लिए तैयार (रेडी-टू-कुक) और खाने के लिए तैयार (रेडी-टू-ईट) खाद्य पदार्थ, प्रसंस्कृत फल और सब्जियां, समुद्री उत्पाद जैसी प्रमुख खाद्य श्रेणियों में उत्पादन बढ़ाने पर केन्द्रित है।

ये श्रेणियां वैसे क्षेत्र हैं जिनमें भारत घरेलू खपत और निर्यात क्षमता, दोनों में तेजी से विस्तार कर सकता है।

1. नवाचार और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की भागीदारी को प्रोत्साहन देना
दूसरा घटक एमएसएमई द्वारा विकसित नवोन्मेषी और जैविक खाद्य उत्पादों को समर्थन प्रदान करता है। लघु एवं मध्यम उद्यम भारत के खाद्य क्षेत्र की रीढ़ हैं और समावेशी विकास हेतु आधुनिक आपूर्ति श्रृंखलाओं के साथ उनका जुड़ाव बेहद जरूरी है।

पोषक अनाज (मिलेट) से संबंधित नवाचार: परंपरा को आधुनिक बाजारों से जोड़ना
वर्ष 2023 में, अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज (मिलेट्स) वर्ष के उपलक्ष्य में, मंत्रालय ने पीएलआई योजना के तहत एक विशेष पहल की शुरुआत की। इस पहल का उद्देश्य पकाने के लिए तैयार (रेडी-टू-कुक) और खाने के लिए तैयार (रेडी-टू-ईट) उत्पादों में मिलेट्स के उपयोग को प्रोत्साहित करना था। मिलेट्स जलवायु परिवर्तन के प्रति प्रतिरोधी, अत्यधिक पौष्टिक और भारत की कृषि परंपराओं में गहराई से जुड़े हुए हैं।

आधुनिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों में मिलेट्स का समावेश करके, यह योजना पोषण संबंधी सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन के प्रति प्रतिरोधी कृषि को एक साथ बढ़ावा देती है।

बदलाव से जुड़े आंकड़े

पीएलआई योजना के तहत बहुत ही कम समय में हासिल की गई प्रगति उद्योग जगत की ओर मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया और इस नीति की प्रभावशीलता को दर्शाती है।

* इस योजना के तहत 165 कंपनियों को मंजूरी दी गई है।
* इनमें से 68 सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) हैं, साथ ही बड़ी कंपनियों के 40 संविदा निर्माता भी शामिल हैं।
* कुल मिलाकर 9,207 करोड़ रुपये का निवेश किया जा चुका है।
* प्रति वर्ष लगभग 35 लाख मीट्रिक टन की नई प्रसंस्करण और संरक्षण संबंधी क्षमता सृजित की गई है।
* इस योजना से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 3.29 लाख रोजगार सृजित हुए हैं।

ध्यान रखने लायक बात यह है कि इस योजना का मूल लक्ष्य 25 लाख रोजगार सृजित करना था। इस क्षेत्र ने पहले ही इस लक्ष्य का 131 प्रतिशत हिस्सा हासिल कर लिया है। पीएलआई समर्थित कंपनियों द्वारा प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों की बिक्री में भी 2019-20 से 13.23 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है।

(निर्यात में वृद्धि दर 2019-20 से 7.41 प्रतिशत की है)

विभिन्न पीएलआई योजनाओं के बीच एक चमकता सितारा

उत्पादन पर आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना भारतीय अर्थव्यवस्था के 14 क्षेत्रों को कवर करती है। इनमें से, खाद्य प्रसंस्करण से संबंधित पीएलआई सबसे प्रभावशाली योजनाओं में से एक बनकर उभरी है। कुल पीएलआई सब्सिडी वितरण में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र का हिस्सा मात्र 8 से 9 प्रतिशत ही होने के बावजूद, इसने तमाम पीएलआई योजनाओं के तहत सृजित किए गए कुल रोजगारों में से लगभग 42 प्रतिशत रोजगार सृजित किए हैं।

अब तक, इस योजना के तहत कुल 2715 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि जारी की जा चुकी है। यह कुल परिव्यय का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा है। यह साबित करता है कि खाद्य प्रसंस्करण भारत के मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम में सबसे अधिक रोजगार सृजित करने वाले क्षेत्रों में से एक है।

उपभोक्ताओं की बदलती जीवनशैली के अनुरूप बदलाव, भारत के जनसांख्यिकीय परिवर्तन का असर खाद्य उद्योग पर भी पड़ रहा है। युवा और शहरीकरण की ओर अग्रसर आबादी की बढ़ती मांगें इस प्रकार हैं:, खाद्य संबंधी सुविधाजनक उपाय, स्वच्छ पैकेजिंग, सुरक्षित और पौष्टिक खाने के लिए तैयार (रेडी-टू-ईट) उत्पाद ।

बेंगलुरु, मुंबई या दिल्ली जैसे शहरों में काम करने वाले पेशेवर अक्सर पकाने के लिए तैयार (रेडी-टू-कुक) या खाने के लिए तैयार (रेडी-टू-ईट) वैसे गुणवत्तापूर्ण भोजन की तलाश में रहते हैं जो उनकी तेज रफ्तार जीवनशैली के अनुरूप हो।

खाद्य सुरक्षा से खाद्य नेतृत्व की ओर

भारत की प्रचुर कृषि संपदा इसकी सबसे बड़ी ताकत है। हमारे सामने इस प्रचुर संपदा को सतत आर्थिक मूल्य में बदलने की चुनौती है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग से संबंधित उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना इस बदलाव को गति देने में सहायक साबित हो रही है और खाद्य सुरक्षा से आगे बढ़कर वैश्विक स्तर पर खाद्यान्नों के मामले में नेतृत्व का सपना शीघ्र ही साकार होने वाला है।

फोन हमारा साथी और सहारा है, पर इंसान से नहीं प्यारा है

रश्मि बंसल

कुछ दिन पहले एक हादसा हो गया! मेरा सहारा, मेरी आंखों का तारा, मेरा फोन स्वर्ग सिधार गया!

कई दिनों से मित्रत कर रहा था, कि बस करो। इतनी फोटो, इतने ऐप मेरा नन्हा-सा शरीर सह नहीं पा रहा। लोड थोड़ा कम कीजिए। खैर, उस दिन थोड़ा-सा पानी ढुल गया और फोन महाशय उसी चुल्लू भर पानी में डूब गए!

किसी ने कहा कि चावल की बोरी में डाल दो, मानो उन दानों में कोई चमत्कारी जिन्न बैठा हुआ हो। खैर, रात भर ऐसे-वैसे नुस्खे अपनाए, कि शायद कुछ असर हो जाए। सुबह बटन दबाने पर हल्का-सा प्राण प्रकट हुआ, मगर फिर बॉलीवुड के मरते हुए हीरो की तरह, कुछ आहें भरने के बाद जनाब ने दम तोड़ दिया। पता चला ज़िंदगी सिर्फ फोन की ही नहीं, मानो मेरी भी खत्म हो गई हो!

पर्स खो जाए तो दुख होता है, पर लाइफ गोज ऑन। लेकिन फोन मर जाए तो इंसान बेसहारा जैसा फील करने लगता है। घर से, ऑफिस से, अमेजन से- कितने ही लोग कॉन्टेक्ट करना चाह रहे हैं। लेकिन आपका तो जैसे अस्तित्व ही खत्म हो गया हो।

आदमी दरवाजे पर पार्सल के साथ खड़ा है- ओटीपी प्लीज मैडम। कहां से दूं भैया, ले जाओ वापस। घर से लोग अपने काम से निकल गए, अब मुझे जाना है- टैक्सी कैसे मंगाऊं? छोड़ो काली-पीली टैक्सी ले लेती हूं। मगर देखा पर्स में सौ रुपए भी नहीं- यूपीआई पेमेंट की जो आदत है। खैर, किसी तरह मोबाइल रिपेयर वाले तक मैं पहुंची। कि शायद फोन मेरे ही घर में पुनर्जन्म ले ले, थोड़ी झाड़-फूंक से।

टेक्नीशियन ने गम्भीरता से कहा, कोशिश करता हूं, गारंटी नहीं दे सकता। पैसे भी कुछ ज्यादा मांग रहा था। तो मैंने कहा- भूल जाओ, नया खरीद

लेते हैं। अब फोन मिलते हैं दो तरह के : आम फोन, यानी कि एंड्रॉयड।

और 'सेब' वाला फ़ोन, यानी कि एप्पल। जो आम का शौकीन है वो सेब से चिढ़ता है, और जो सेब पसंद करता है वो आम वालों को कुछ समझता ही नहीं। मुझे किसी ने सालों पहले एक 'सेब' गिफ्ट किया था, चखने के लिए। अफसोस, तब से मैं उसकी दीवानी हो गई थी।

हमेशा की तरह, 'सेब' के शोरूम में नई 'फसल' आई हुई थी। देखने में एक जैसे मगर कीमत में अंतर, जैसे फल के मामले में अकसर होता है। फर्क बस यह कि खाने वाला सेब 300 रुपए किलो और पॉकेट में रखने वाला सोने-चांदी वाली रेंज में।

वैसे अब शादियों में भी असली सोना कौन पहनता है? नकली माल भी फोटो में बढ़िया चमकता है। तो फोन पर ही खर्च कर लेते हैं। बड़े लाड़-प्यार से नई-नवेली दुल्हन समान फोन की विदाई हुई शोरूम से। लेकिन पहले पहनाया एक 'घूंघट'- यानी कि कवर- ताकि उसके रूप को नजर न लग जाए।

घर पहुंचकर सब इकट्ठा हुए, मुंह दिखाई के लिए। सब को पसंद आया, पड़ोसियों में खबर फैली तो खुसर-पुसर भी हुई। हर कोई कहता जरा मिलवा दो, कुछ के चेहरों पर जलन भी दिखाई दी। आखिर खानदान का फर्क तो पड़ता ही है। दीवान-ए-आम नहीं, हमारी लाड़ली दीवान-ए-खास जो थी!

समस्या यह, कि मेरा मन ही नहीं करता इस कन्या से कोई काम करवाने का। डर था कि उसकी कोमल त्वचा पर खरोंच न आ जाए। बाथरूम में तो उसका जाना बिल्कुल मना, फिसलने का जो डर। और फिर एक दिन चलते-चलते वो मेरे हाथ से छूट कर जमीन पे गिर पड़ी। गनीमत है चोट नहीं लगी, मगर मानो उस दिन से वो भय निकल गया।

एक महीना हो गया है। घर के इस नए सदस्य ने ढेर सारे ऐप्स, मैसेजेस और फोटोज अपने 256 जीबी वाले दिल में समा लिए हैं। कोई सवाल हो या कोई तकलीफ, वो मेरी मदद के लिए हाजिर। घर में पनीर चाहिए या फिर प्लम्बर जी आइए। जो मन चाहे बस बटन दबाइए।

दस रुपए की चाय हो, बीपी की दवाई हो। केवाईसी फिर करना है, फैमिली ग्रुप में लड़ना है। ट्रेन में थोड़ा टाइमपास, आज कौन जीता है टॉस। छोटी-सी जान में समस्त दुनिया समाई है, लेकिन स्क्रीन से आंख उठाने में भी भलाई है। फोन मेरा साथी, मेरा सहारा। लेकिन नहीं है इंसान से वो प्यारा। फोन को जरा पिंग होने दो, बातों में हमको खोने दो।

दस रुपए की चाय हो, बीपी की दवाई हो। केवाईसी फिर करना है, फैमिली ग्रुप में लड़ना है। ट्रेन में थोड़ा टाइमपास, आज कौन जीता है टॉस। छोटी-सी जान में समस्त दुनिया समाई है, लेकिन स्क्रीन से आंख उठाने में भी भलाई है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

पर्यावरण संरक्षण राष्ट्रीय सुरक्षा का अभिन्न हिस्सा बने

पंकज चतुर्वेदी

भारत में बढ़ती गर्मी और जलवायु परिवर्तन एक गहरी पारिस्थितिकीय समस्या को उजागर करते हैं, जो मानव-निर्मित है। विकास योजनाओं और पर्यावरणीय लापरवाही ने प्राकृतिक संतुलन को बिगाड़ दिया है।

भारत में मौसम का बदलता मिजाज और वैशाख के महीने में जेठ जैसी तपिश का अहसास होना अब केवल एक प्राकृतिक घटना नहीं, बल्कि एक गहरे पारिस्थितिक संकट की चेतावनी है। अक्सर भीषण गर्मी और लू के लिए अल नीनो या वैश्विक जलवायु परिवर्तन को दोष देकर हम अपनी जिम्मेदारी से बचते रहे हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि यह संकट काफी हद तक मानव-निर्मित है। आज हम जिस भीषण गर्मी का सामना कर रहे हैं, वह वैश्विक वायुमंडलीय बदलावों और स्थानीय स्तर पर पर्यावरण के प्रति बरती गई नीतिगत लापरवाही का एक मिला-जुला परिणाम है। जब हम अपनी विकास योजनाओं के नाम पर हज़ारों हेक्टेयर प्राथमिक जंगलों, पहाड़ियों और जल निकायों को नष्ट करते हैं, तो हम अनजाने में उन प्राकृतिक 'कूलिंग एजेंटों' को खत्म कर देते हैं जो इस तपिश के खिलाफ हमारी एकमात्र सुरक्षा थे। बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों में, जहां तापमान अब नियमित रूप से 48 डिग्री सेल्सियस के स्तर को छूने लगा है, यह स्पष्ट है कि हमारी विकास की भूख ने धरती के प्राकृतिक थर्मोस्टेट को बिगाड़ दिया है।

इस मानव-निर्मित गर्मी की सबसे प्रत्यक्ष और क्रूर मार उन मजदूरों और सड़क किनारे काम करने वाले श्रमिकों पर पड़ती है जो इस ढांचे का निर्माण कर रहे हैं। भारत के करोड़ों निर्माण श्रमिक, रेहड़ी-पटरी वाले और गिग-इकोनॉमी के कर्मचारी इस गर्मी को केवल एक आंकड़े के रूप में नहीं, बल्कि एक शारीरिक हमले के रूप में महसूस करते हैं। आंकड़ों के अनुसार, गर्मी के कारण भारत को 2030 तक अपने कुल कामकाजी घंटों का 5.8 प्रतिशत हिस्सा खोना पड़ सकता है, जो लगभग 3.4 करोड़ पूर्णकालिक नौकरियों के बराबर है। बांदा जैसे शहरों में, कंक्रीट और कोलतार की सड़कें गर्मी को सोखकर रात में भी उसे वापस छोड़ती हैं, जिससे 'अर्बन हीट आइलैंड' प्रभाव पैदा होता है और स्थानीय तापमान ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में 5 डिग्री सेल्सियस से 7 डिग्री सेल्सियस तक अधिक बना रहता है। नीतिगत स्तर पर मजदूरों के लिए 'छाया का अधिकार' या लू के दौरान काम के घंटों में बदलाव जैसे नियम केवल कागजों तक सीमित हैं, जो हमारे विकास के उस अंधेपन को दर्शाते हैं जहां श्रम को एक जैविक इकाई के बजाय केवल एक मशीन समझा जाता है।

गर्मी का यह घातक रूप हमारी खेती और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ रहा है। 'थर्मल शॉक' के कारण गेहूं जैसी प्रमुख फसलों के दाने दूध भरने की अवस्था में ही सूख रहे हैं, जिससे पैदावार में 15 प्रतिशत से 25 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की जा रही है। मिट्टी की नमी खत्म होने से उपजाऊ जमीन अब मरुस्थल में बदल रही है, फिर भी हमारी नीतियां सूखे क्षेत्रों में अधिक पानी चाहने वाली फसलों को बढ़ावा दे रही हैं। इसी तरह, जंगलों के विखंडन और अवैध खनन ने वन्यजीवों के लिए भोजन का संकट पैदा कर दिया है। छतरपुर और पन्ना टाइगर रिजर्व के आसपास के इलाकों में, खनन के कारण प्राकृतिक जल स्रोत सूख चुके हैं, जिसके परिणामस्वरूप जंगली जानवरों का बस्तियों की ओर आना 40 प्रतिशत तक बढ़ गया है। यह केवल मानव-पशु संघर्ष नहीं है, बल्कि उस पारिस्थितिक सुरक्षा चक्र का टूटना है जो इंसानों और जानवरों को एक साथ सुरक्षित रखता था।

वर्तमान 'हीट एक्शन प्लान' (एचएपी) की सबसे बड़ी विफलता यह है कि वे केवल शहरों में मौतों को रोकने पर केंद्रित हैं, जबकि जमीन, जल और मिट्टी के गिरते स्वास्थ्य की अनदेखी करते हैं। अब समय आ गया है कि नीतिगत स्तर पर 'वन हेल्थ' के दृष्टिकोण को अपनाया जाए, जहां मिट्टी की नमी, पशुधन का स्वास्थ्य और वन्यजीवों का संरक्षण एक ही इकाई के रूप में देखा जाए। हमें केवल पौधारोपण की रस्म अदायगी से ऊपर उठकर बुंदेलखंड के चंदेलकालीन तालाबों जैसे पारंपरिक जल-प्रबंधन तंत्र को पुनर्जीवित करना होगा। ये तालाब केवल पानी का स्रोत नहीं थे, बल्कि वे स्थानीय पारिस्थितिकी को ठंडा रखने के विकेंद्रीकृत साधन थे। नीति-निर्माताओं को यह समझना होगा कि राजमार्गों के लिए काटे गए पेड़ केवल लकड़ी नहीं थे, बल्कि वे उस सूक्ष्म-जलवायु का हिस्सा थे जो फसलों को झुलसने से बचाते थी। हमें विकास की अपनी परिभाषा को बदलना होगा। बुंदेलखंड में पत्थर खनन के लिए काटी गई हर पहाड़ी और उत्तराखंड में कंक्रीट के विस्तार के लिए नष्ट की गई हरियाली हमारे भविष्य की ठंडी हवाओं को रोक रही है। आर्थिक लाभ की तुलना में गर्मी के कारण होने वाला स्वास्थ्य और कृषि का नुकसान कहीं अधिक है।

भविष्य की नीतियों की सफलता अब इस जवाबदेही पर टिकी है कि हम बुनियादी ढांचे के निर्माण में 'ग्रीन इंजीनियरिंग' को कितनी प्राथमिकता देते हैं और पर्यावरण नियमों की अनदेखी को कब बंद करते हैं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि पर्यावरण का संरक्षण अब केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा का अभिन्न हिस्सा है। तभी हम इस मानव-निर्मित भट्टी से बाहर निकल पाएंगे और आने वाली पीढ़ियों को एक ऐसी धरती दे पाएंगे जो केवल झुलसती नहीं, बल्कि जीवन भी प्रदान करती है।

श्रमवीर

अट्टालिका ऊँची-ऊँची, अनगिन गीत गाते,
भूमिपुत्र शिल्पकार,
तेरे हाथों का सृजन।

पहाड़ों को काटकर, सड़क बनाने वाले,
परिश्रम रंग लाया,
करें आपको नमन।

करते हैं मेहनत, नहीं कोई शिकायत,
स्वेद कण बहाकर,
फ़ौलादी बना है तन।

सपना साकार किया, साहस से काम लिया,
'सुषमा' सुंदर राष्ट्र,
दिया तूने हर जन।

सुषमा प्रेम पटेल रायपुर छ ग

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

3 और 4 मई को नहीं चलेगी रायपुर- इतवारी पैसेंजर

भिलाई। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर मंडल के निपनिया–भाटापारा सेक्शन में रोड अंडरब्रिज बनाया जा रहा है। इसके लिए रिलीविंग गर्डर लांच करने ट्रैफिक–सह पावर ब्लॉक लिया जाएगा। इसके कारण कुछ ट्रेनों का परिवहन प्रभावित होगा। 3 और 4 मई को रायपुर–इतवारी–रायपुर पैसेंजर रद्द रहेगी। इसके अलावा गोंदिया–झारसुगुड़ा–गोंदिया जेडी पैसेंजर भी 3 और 6 मई को गोंदिया से बिलासपुर के बीच रद्द रहेगी। जारी आदेश के अनुसार 3 मई को 58205 रायपुर–इतवारी और 4 मई को इतवारी–रायपुर पैसेंजर रद्द रहेगी। इसी तरह 3 और 6 मई को 68862 झारसुगुड़ा–गोंदिया मेमू पैसेंजर और 68861 गोंदिया–झारसुगुड़ा मेमू पैसेंजर बिलासपुर से गोंदिया के बीच रद्द रहेगी।

महिलाएं सिर पर तो दिव्यांग ट्राइसिकल पर ढो रहे पानी

भिलाई। नगर निगम भिलाई के अविनाश मेट्रो पॉलिस पीएम आवास की हालात देखकर लगता है कि विकास यहां तक अभी नहीं पहुंची है। यहां के रहवासी दो साल से अपनी प्यास बुझाने सिस्टम से लड़ रहे हैं। चिलचिलाती धूप में यहां के लोग 2 किलोमीटर दूर से पानी ढोकर ला रहे हैं। महिलाएं जहां सिर पर पानी ढो रही हैं वहीं बच्चे साइकिल में बाल्टियां लटकाए दिख जाते हैं। यहां तक कि दिव्यांग भी अपनी ट्राइसिकल से पानी ढो रहे हैं।

पोटिया और अहिवारा में अगले सत्र से नए केंद्रीय विद्यालय

दुर्ग। दुर्ग जिले में दो नए केंद्रीय विद्यालय खोलने की तैयारी है। एक अहिवारा में और दूसरा पोटिया इलाके में खुलेगा। शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव के निर्देश पर डीपीआई के माध्यम से दोनों स्कूलों का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। पोटिया में हेमचंद विश्वविद्यालय कैंपस में ही केंद्रीय विद्यालय बनाने का प्रस्ताव है। नियमों के तहत विवि कैंपस में स्कूल खोला जा सकता है। यूनिवर्सिटी में स्कूल के लिए करीब 11 एकड़ जमीन भी चिन्हित कर ली गई है। जैसे ही यूनिवर्सिटी कैंपस पोटिया में शिफ्ट होगा, उसके बाद केंद्रीय विद्यालय का भी काम शुरू किया जाएगा। दोनों स्कूलों के खुलने से बड़ी संख्या में छात्रों को फायदा होगा। जिले में दो नए स्कूल खुलने से केंद्रीय विद्यालय की संख्या बढ़कर 5 हो जाएगी। वर्तमान में जिले में तीन केंद्रीय विद्यालय चरोदा, दुर्ग और उतई में संचालित है।

रोटरी क्लब ने वृद्धाश्रम को दी वॉशरूम की सौगात

भिलाई। रोटरी क्लब ऑफ भिलाई पिनेकल ने आस्था वृद्धाश्रम, सेक्टर 6 में रहने वाले 35 से अधिक बुजुर्गों की सुविधा के लिए चार शौचालय और स्नानघर बनवाकर उनका उद्घाटन कराया। क्लब के अनुसार यह प्रकल्प पूरी तरह क्लब के वित्तपोषण से तैयार हुआ और इसे दो से तीन महीनों में पूरा किया गया। कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट 3261 के गवर्नर अमित जायसवाल मुख्य अतिथि रहे। असिस्टेंट गवर्नर विनय अग्रवाल के अलावा क्लब की अध्यक्ष डॉ. पूर्वा रोजिंदार भी इस अवसर पर उपस्थित रही।

मशीन से सफाई का काला सच : डीजल खरीदने के लिए पैसे नहीं, इसलिए फिलहाल सिर्फ आराम

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। सड़कों पर सफाई का काम तेजी से निपटाने के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना के तहत सफाई वाहन खरीदा गया था। पर अब उसके लिए डीजल का इंतजाम नहीं हो पा रहा है। लिहाजा मशीन खड़ी है और खराटा झाड़ू वाले सड़क पर हैं।

शहर की सड़कों की सफाई के लिए निगम में 7 अप्रैल को दो नई स्वीपिंग मशीनों का उद्घाटन किया गया। उसके बाद से मशीन का इस्तेमाल नहीं हो पाया है, क्योंकि इन वाहनों को चलाने निगम के पास डीजल नहीं है। यही वजह है कि दोनों वाहन 7 अप्रैल को हरी झंडी दिखाने के बाद से फिल्टर प्लांट में ही खड़े हैं। इन वाहनों का भी वही हाल होने का अंदेशा बढ़ गया है जैसा कि 15 साल पहले आई ऐसी ही स्वीपिंग मशीन का हुआ था, उसके इस्तेमाल में भी डीजल की खपत को देखते हुए उसे खड़ा कर दिया गया था।

दो स्वीपिंग मशीन के आने के बाद निगम प्रशासन की ओर से दावा किया गया था कि शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में अहम कदम उठाया गया है। शहर में बढ़ते धूल प्रदूषण को नियंत्रित करने एवं वायु गुणवत्ता सुधारने के उद्देश्य से निगम द्वारा अत्याधुनिक मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग मशीनों का उपयोग शुरू किया गया है। यह अत्याधुनिक मशीन वैक्यूम वायु तकनीक पर आधारित है, जो सड़कों पर जमा धूल, रेत एवं छोटे मलबे को प्रभावी ढंग से हटाती है। इससे न केवल सफाई बेहतर होगी, बल्कि धूल प्रदूषण में भी कमी आएगी। अब मुख्य सड़कों, चौड़ी सड़कों एवं कॉलोनियों में मैन्युअल झाड़ू के स्थान पर मशीनों से सफाई की जाएगी। कर्मशाला विभाग के एमआईसी मेंबर ज्ञानेश ताम्रकार स्वीपिंग मशीन को आपरेट करने में जितना डीजल खप रहा, उतना डीजल उपलब्ध करा पाना संभव नहीं है। इसलिए कुछ दिनों की आड़ में मशीन का इस्तेमाल किया जाता है।

सुशासन तिहार के पहले दिन मिले 196 आवेदन, तुरन्त असर

- महापौर व कलेक्टर ने शिविर का निरीक्षण कर अधिकारियों को दिए निर्देश
- सुशासन तिहार से हितग्राहियो को सीधा लाभ, समस्याओं के समाधान हेतु कार्यवाही तेज

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा सुशासन तिहार–2026 के अंतर्गत जन समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु आयोजित समाधान शिविरों की श्रृंखला का शुभारंभ आज चंद्रशेखर आजाद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पंचशील नगर से हुआ। शिविर के पहले ही दिन बड़ी संख्या में नागरिकों की भागीदारी देखने को मिली और कई समस्याओं का मौके पर ही निराकरण कर हितग्राहियों को राहत प्रदान की गई।

शिविर का निरीक्षण महापौर अलका बाघमार एवं कलेक्टर अभिजीत सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की तथा अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक प्राप्त आवेदन का समय–सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

पहले दिन कुल 196 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 145 मांग एवं 51 शिकायतें शामिल हैं। प्राप्त सभी आवेदनों को संबंधित विभागों को निराकरण हेतु प्रेषित किया गया। साथ ही त्वरित कार्रवाई करते हुए 10 लर्निंग लाइसेंस एवं 1 राशन कार्ड का मौके पर ही वितरण कर हितग्राहियों को सीधा लाभ प्रदान किया गया।

शिविर का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं जैसे राशन कार्ड, आयुष्मान भारत योजना एवं उज्ज्वला योजना का लाभ शीघ्र उपलब्ध कराना तथा उनकी समस्याओं का स्थल पर ही समाधान करना है। पहले दिन की सफलता से यह स्पष्ट है कि सुशासन तिहार आम जनता के लिए अत्यंत उपयोगी पहल सिद्ध हो रहा है।

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम का प्रयास है कि प्रत्येक नागरिक की समस्या का त्वरित एवं पारदर्शी समाधान हो। सुशासन तिहार के माध्यम से हम शासन की योजनाओं को सीधे जनता तक पहुँचाने और उनकी समस्याओं का मौके पर निराकरण करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कहा कि शिविरों के माध्यम से प्रशासन जनता के द्वार तक पहुँच रहा है। सभी विभागों को निर्देशित किया गया है कि प्राप्त आवेदनों का शीघ्र एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर आयुक्त सुमित अग्रवाल, सभापति श्याम शर्मा, देवनारायण चन्द्राकर, शेखर चन्द्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, शेखर चन्द्राकर, शशि साहू, गोविंद्र देवांगन, सुरूचि उमरे, डिप्टी कलेक्टर योगिता देवांगन, एसडीएम हरिवंश सिंह मिरी, कार्यपालन अभियंता सुश्री विनीता वर्मा, प्रकाश चंद थवानी, उपस्थित थे।

कविता कम से कम शब्दों में अधिक कहने की कला

भिलाई। साहित्यिक संस्था 'आरंभ' के तत्वावधान में पीजी नर्सिंग कॉलेज में राज्य स्तरीय काव्य पाठ एवं कविता पर संवाद चर्चा का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि व्यंग्यकार कवि रवि श्रीवास्तव थे। पीजी नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ रोजा प्रिंसी ने अध्यक्षता की। संवाद चर्चा कल्याण महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक व युवा कवि डॉ अंजन कुमार थे। 'आरंभ' के मुख्य सलाहकार आचार्य डॉ महेशचंद्र शर्मा, मुख्य संरक्षक कैलाश जैन बरमेचा और कॉलेज की उप प्राचार्य डॉ जी हेमावती उपस्थित थे। स्वागत उद्बोधन 'आरंभ' के अध्यक्ष प्रदीप भट्टाचार्य, संचालन महासचिव नूरुस्सबाह 'सबा' एवं आभार व्यक्त कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रजनी नेलसन ने दिया। पीजी नर्सिंग कॉलेज की डॉ जी हेमावती, चंद्रकला लिल्हारे, सुश्मिता रॉय, नूतन निराला, डॉली सिन्हा, निक्की तिवारी, पूजा सोनवानी, भावना साहू, शिल्पी नंदी, और 'आरंभ' की तरफसे अनिता करडेकर, दीप्ति श्रीवास्तव, मिताली श्रीवास्तव वर्मा, उपस्थित थे।

पाटणकर कन्या महाविद्यालय में मई दिवस एवं बोरे-बासी दिवस का संयुक्त आयोजन

दुर्ग। शासकीय डॉ. वावा पाटनकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में समाजशास्त्र एवं गृहविज्ञान विभाग के तत्वाधन एवं प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस एवं बोरे बासी दिवस का आयोजन किया गया। डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि श्रमिक दिवस एवं बोरे बासी दिवस छत्तीसगढ़ की परम्परा और मेहनतकश जीवन का स्वाद लोकसंस्कृति, श्रम और सादगी का उत्तम प्रतीक अंतर्राष्ट्रीय है।

डॉ. मोनिया राकेश सिंह, विभागाध्यक्ष समाजषास्त्र ने कहा कि श्रमिक दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य मजदूरों के अधिकारों, समाजिक न्याय और बेहतर कामकाजी परिस्थियों के लिए संकल्प लेना है। श्रीमती ज्योति भरणे ने बोरे बासी को छत्तीसगढ़ी किसान एवं मजदूर वर्ग का मुख्य भोजन बताया और कहा कि, यह रात के बचे चावल को पानी में भिगोकर बनाया जाता है। यह शरीर को टंडा रखने, पानी की कमी से बचाने, पाचन सुधारने और लू से सुरक्षा प्रदान करने में बहुत लाभकारी होता है। इसमें कैल्षियम, आयरन, पोटैषियम और विमाटिन बी 12 जैसे पोषक तत्व कि भरपूर मात्रा में होते है। तत्पश्चात प्राध्यापको एवं छात्राओं ने बोरे बासी का आचार और प्याज के साथ आनंद लिया।

श्रम दिवस पर महापौर ने स्वच्छता मित्रों के साथ किया भोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा 'स्वच्छता मित्रों' एवं समस्त सफाई कर्मचारियों के सम्मान में स्नेह भोज का आयोजन किया गया। मोतीलाल वोरा सभागार एवं कुशाभाउ ठाकरे भवन, आदित्य नगर में आयोजित इस कार्यक्रम में महापौर अलका बाघमार, सभापति श्याम शर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने स्वच्छता मित्रों व वाहन चालक के साथ बैठकर भोजन किया और उनके योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग प्रभारी नीलेश अग्रवाल, देवनारायण चन्द्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, लीलाधर पाल, शशि साहू, हर्षिका संभव जैन, स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

नगर निगम प्रशासन द्वारा किया गया यह प्रयास उन कर्मठ हाथों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक है, जो प्रतिदिन कठिन परिश्रम कर शहर को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं।

ब्रह्माकुमारीज दुर्ग का समर कैंप कल 3 मई से

दुर्ग। ब्रह्माकुमारीज के आनंद सरोवर बघेरा दुर्ग में संस्कार समर कैंप – 2026 का आयोजन 3 से 10 मई तक होगा। प्रतिदिन सुबह 8 से 10 बजे तक क्लासेस लगेंगी, ताकि बच्चे दिन की शुरुआत कुछ नया सीखते हुए कर सकें। अभिभावकों से जल्द रजिस्ट्रेशन कराने की अपील की गई है। ब्रह्माकुमारीज दुर्ग की संचालिका रीटा दीदी ने बताया कि श्रेष्ठ संस्कार से ही श्रेष्ठ संसार का निर्माण होता है।

नंबर बढ़वाने के लिए 4 से 30 मई तक फिर मौका

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। अगर छत्तीसगढ़ बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षा में नंबर कम आए हैं, एक या दो विषय में फेल (पूरक) हो गए हैं, या फिर पूरी तरह से फेल हो गए हैं, तो ऐसे विद्यार्थियों को दूसरी बोर्ड परीक्षा का लाभ दिया जा रहा है। इसके लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जो छात्र पास तो हो गए हैं, लेकिन अपने नंबरों से खुश नहीं हैं, वे भी अपना रिजल्ट सुधारने इस परीक्षा में बैठ सकते हैं।

माशिमं के दिशा–निर्देशों के मुताबिक, हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी की अवसर परीक्षा के लिए आवेदन 4 मई से शुरू होकर 30 मई तक ऑनलाइन भरे जाएंगे। छात्रों को केवल सामान्य परीक्षा शुल्क ही देना होगा। बोर्ड ने यह भी साफकर दिया है कि इस दूसरी मुख्य परीक्षा में वे सभी छात्र–छात्राएं शामिल हो सकते हैं, जिन्होंने पहली मुख्य परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया था। यह दूसरी मुख्य परीक्षा न सिर्फ फेल छात्रों का साल बचाएगी, बल्कि कम नंबर पाने वाले और सेकंड या थर्ड डिवीजन में पास होने वाले हजारों छात्रों को अपना रिजल्ट संवारने का एक और सुनहरा अवसर देगी। जो नियमित परीक्षार्थी हैं, वे सीधे अपने स्कूल जाकर वहां से आवेदन कर सकते हैं। वहीं, स्वाध्यायी छात्र अपनी समन्वय संस्थाओं के माध्यम से फॉर्म जमा कर सकते हैं।

तीन दिन ब्लॉकों का नजरी नक्शा बनाएंगे प्रगणक, 3910 कर्मचारी जुटाएंगे जानकारी

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। जनगणना 2027 के तहत जिले के सभी प्रगणकों को तीन दिनों तक अपने–अपने क्षेत्र का नजरी नक्शा बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके तहत सर्वे कार्य में जुटे कर्मचारी क्षेत्र का लैंडमार्क, क्षेत्र में क्या–क्या है, कहां पर कौन सा भवन है, मकान संख्या की पूरी जानकारी जुटाएंगे। इस डिटेल की पूरी रिपोर्ट तैयार करेंगे। इसके बाद 3 मई को यह जानकारी अधिकारियों को सौंपी जाएगी। इसके बाद रिपोर्ट के आधार पर 4 मई से जनगणना शुरू होगी।

अधिकारियों के मुताबिक स्व गणना विकल्प का सरकारी कर्मचारियों ने ही ज्यादा उपयोग किया जबकि आम नागरिकों ने इसमें कम ही रुचि दिखाई। इसलिए 4 मई से जनगणना कार्य में जुटे कर्मी घर–घर जाकर लोगों से जानकारी लेंगे।

श्रमिक दिवस पर सफाई कर्मियों का किया सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। विश्व श्रमिक दिवस के अवसर पर सर्वधर्म सेवा संस्था द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें शहर के सफाई कर्मियों का सम्मान किया गया। हर वर्ष की भांति श्रमिक सम्मान एवं स्वच्छता जागरूकता पखवाड़े की शुरुआत की गई।

मुख्य अतिथि पद्मश्री उषा बारले, विशेष अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रज्ञा मेश्राम, ओए अध्यक्ष नरेन्द्र बन्छोर, सर्व समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह, संस्था के संरक्षक वीरेंद्र सतपथी, महिला कान्सलर शहाना कुरैशी आदि थे। संचालन मंजू चौरसिया द्वारा किया गया।

संस्था के संस्थापक प्रतीक भोई ने स्वागत उद्बोधन दिया। इसके पश्चात संस्था के प्रतिनिधियों एवं अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने सफाई कर्मियों को समाज का वास्तविक नायक बताया। सफाई कर्मियों को सम्मान स्वरूप गमछा, पानी की बॉटल एवं मिठाई प्रदान की गई। उपस्थित सभी लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ इन कर्मवीरों के प्रति अपना सम्मान प्रकट किया।

संस्था द्वारा यह भी जानकारी दी गई कि पखवाड़े के अंतर्गत शहर के विभिन्न वार्डों में जाकर सफाई कामगारों का आभार व्यक्त किया जाएगा तथा उन्हें सम्मान स्वरूप गिफ्ट एवं मिठाई प्रदान की जाएगी, जिससे उनके प्रति सम्मान और प्रोत्साहन की भावना को और सशक्त किया जा सके।

कार्यक्रम में संस्था के महासचिव श्री राकेश रत्नाकर द्वारा संस्था का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया तथा यही प्रेस विज्ञप्ति भी उनके द्वारा जारी की गई। संस्था के उपाध्यक्ष घनश्याम पांडे ने आभार प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के समापन पर सभी ने यह संकल्प लिया कि वे श्रमिकों के प्रति सम्मान, संवेदनशीलता एवं सहयोग की भावना को अपने दैनिक जीवन में अपनाएंगे और स्वच्छता के प्रति जागरूक रहेंगे।

संस्था ने सभी अतिथियों, सहयोगियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम बनते हैं।

कार्यक्रम में प्रतीक भोई, राकेश रत्नाकर, रघुवंश सैनी, घनश्याम पांडे, वसंत सालंकर, शिवाकांत गिरी, गायत्री गोस्वामी, अरुणा शर्मा, साधना मौर्य, सविता श्रीवास्तव, गजेंद्र साहू, मंजू चौरसिया, राजकुमार शर्मा, अब्दुल, जय प्रकाश सिंह, सुनीता सैनी, उपस्थित थे।

सरकारी स्कूल के प्राचार्य कक्ष में लगी आग, महत्वपूर्ण दस्तावेज स्वाहा

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। पोटिया कला के शासकीय स्कूल में आग लग गई। प्राचार्य कक्ष लगी आग से अफरा–तफरी मच गई। अग्निशमन टीम ने समय रहते आग पर काबू पा लिया। जिससे कोई जनहानि नहीं हुई।

पद्मनाभपुर पुलिस के अनुसार, 1 मई की रात करीब 8:46 बजे आग लगने का पता चला। लोगों ने तुरंत इसकी सूचना अग्निशमन कार्यालय दुर्ग को दी।

दमकल टीम जब घटनास्थल पर पहुंची तो देखा कि प्रिंसिपल के कमरे से तेज धुआं और आग निकल रही थी। अग्निशमन कर्मियों ने तुरंत काम शुरू किया। जवान धुएं और आग से भरे कमरे के अंदर गए और कड़ी मेहनत के बाद आग को फैलने से रोक दिया।

उनकी सतर्कता और तेजी से काम करने के कारण आग स्कूल के अन्य हिस्सों तक नहीं फैली। हालांकि प्राचार्य कक्ष का काफी सामान खाक हो गया है।

अग्निशमन कर्मियों ने खास तौर पर कमरे में रखे शासकीय दस्तावेजों को बचाने पर ध्यान दिया। समय रहते आग बुझा लेने से बड़े नुकसान से बचाव हो गया। फिलहाल आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। घटना की सूचना मिलने के बाद संबंधित विभाग भी सतर्क हो गया है और आगे की जांच की बात कही जा रही है। इस कार्रवाई में जिला अग्निशमन अधिकारी नागेंद्र कुमार सिंह के मार्गदर्शन में टीम ने काम किया। अग्निशमन दल प्रभारी महेंद्र चंदेल के साथ कर्मचारी हीरामन, राजेश, कमलेश और तामेश्वर ने मिलकर स्थिति को संभाला।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास-खबर

कांकेर जिले के कोलर में मिली विरासत की अमूल्य धरोहर

रायपुर। ज्ञान भारतम् राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले से एक अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। अंतागढ़ विकासखंड के ग्राम कोलर में सर्वेक्षण दल को प्राचीन और दुर्लभ पांडुलिपियों का अमूल्य संग्रह प्राप्त हुआ है, जो क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक परंपरा का सजीव प्रमाण है। यह खोज न केवल कांकेर जिले बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है, जो प्रदेश की समृद्ध परंपरा और ज्ञान विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने में सहायक सिद्ध होगी। अंतागढ़ विकासखंड के ग्राम कोलर के देहारीपारा में स्वतंत्रता सेनानी चिटु देहारी के यहां ताड़पत्र में सुरक्षित कुल 7 महत्वपूर्ण दस्तावेज मिले हैं। इन पांडुलिपियों में नामरत्न गीता, लक्ष्मी पुराण, देवी भागवत, कृपा सिंधु, कॉग बोली, पांजी संगनेष्ठी तथा भागवत पुराण जैसी धार्मिक एवं साहित्यिक कृतियां शामिल हैं। इन ग्रंथों का संरक्षण ताड़पत्र पर किया जाना न केवल प्राचीन ज्ञान परंपरा को दर्शाता है, बल्कि उस समय की लेखन कला और संरक्षण तकनीक को भी उजागर करता है।

सुशासन तिहार बना संबलः आत्माराम के मछली पालन कार्य को मिली नई गति

रायपुर। सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर ग्राम छुरी निवासी आत्माराम केवट के लिए नई उम्मीद लेकर आया है। वर्षों से मछली पालन से जुड़े आत्माराम को मत्स्य विभाग द्वारा निःशुल्क आइस बॉक्स एवं मछली पकड़ने का जाल प्रदान किया गया। कोरबा जिले के कटघोरा विकासखंड के निवासी आत्माराम, कोसगाई दाई मछुआ समिति के माध्यम से रोहू, कतला एवं मृगल प्रजाति की मछलियों का पालन करते हैं। समिति द्वारा प्रतिवर्ष लगभग 8 से 10 टन मछली उत्पादन किया जाता है, जिससे सदस्यों को नियमित आय प्राप्त होती है। सुशासन तिहार के शिविर में उद्योग, वाणिज्य एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के हाथों आत्माराम को लगभग 6 हजार रुपये मूल्य का आइस बॉक्स एवं 10 हजार रुपये का जाल वितरित किया गया। इससे अब मछलियों के सुरक्षित भंडारण और परिवहन में सुविधा होगी, जिससे गुणवत्ता बनी रहेगी और आय में वृद्धि होगी। आत्माराम ने इस पहल को ग्रामीण हितग्राहियों के लिए अत्यंत लाभकारी बताते हुए शासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

विकसित कृषि संकल्प अभियान 5 से 20 मई तक

सूरजपुर । कृषि मंत्री छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार व कलेक्टर एस. जयवर्धन के मार्गदर्शन में सूरजपुर जिले के समस्त विकास खंडों में 05 मई 2026 से 20 मई 2026 तक 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' चलाया जाएगा। अभियान के अंतर्गत प्रत्येक विकासखंड में 2-2 टीमों का गठन किया गया है, जिसके माध्यम से जिले में कुल 144 कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। गठित टीम में कृषि विज्ञान केंद्र एवं कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, कृषि, पशुपालन, उद्यानिकी एवं मत्स्य विभाग के अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा प्रगतिशील किसान, कृषि उद्यमी, लखपति दीदी, एफपीओ एवं एफआईजी के प्रतिनिधि शामिल रहेंगे। यह टीम अभियान के दौरान प्रतिदिन 1-1 चिन्हांकित ग्राम पंचायत में पहुंचकर कृषि-वैज्ञानिक परिचर्चा के माध्यम से खरीफपूर्व कृषि कार्य की तैयारी हेतु किसानों को तकनीकी सलाह एवं सुझाव देगी।

बीजापुर में टीबी मुक्त भारत अभियान को मिली रफ्तार

बीजापुर। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जिला बीजापुर में महत्वपूर्ण पहल करते हुए विकासखंड भोपालपटनम के हाई रिस्क ग्रामों में आयुष्मान आरोग्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस अभियान के अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर गोरला आश्रित ग्राम दंपाया तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिर चेरपल्ली में व्यापक स्वास्थ्य जांच की गई। शिविर में कुल 214 ग्रामीणों का हैंड हेल्ड मशीन के माध्यम से एक्स-रे परीक्षण किया गया। जिससे टीबी जैसी गंभीर बीमारी की समय रहते पहचान सुनिश्चित की जा सके। इस पहल का मुख्य उद्देश्य हाई रिस्क क्षेत्रों में सक्रिय रूप से मरीजों की खोज कर उन्हें शीघ्र उपचार उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम में जिला स्तर एवं स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी रही।

हर बूंद से अधिक उत्पादन की दिशा में बड़ा कदमः बगिया समृद्धि एम-कैड योजना से 13 गांवों के 4933 हेक्टेयर में होगी सिंचाईः मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले के गृह ग्राम बगिया में समृद्धि कमांड क्षेत्र विकास एवं जल प्रबंधन आधुनिकीकरण (एम-कैड) योजना के अंतर्गत बगिया दाबित उद्वहन सिंचाई प्रणाली के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास राज्य मंत्री तोखन साहू एवं कृषि मंत्री रामविचार नेताम सहित जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बगिया समृद्धि एम-कैड योजना केवल एक सिंचाई परियोजना नहीं, बल्कि हर बूंद से अधिक उत्पादन की सोच का सशक्त प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इसके सफल क्रियान्वयन से जशपुर जिला देश के लिए आधुनिक दाबित सिंचाई प्रणाली का मॉडल बनेगा और किसानों को समृद्धि की नई दिशा मिलेगी।

उन्होंने कहा कि इस परियोजना के तहत पारंपरिक नहर प्रणाली के स्थान पर आधुनिक प्रेसराइज्ड पाइप इरिगेशन नेटवर्क विकसित किया जाएगा। भूमिगत पाइपलाइन व्यवस्था से जल का अपव्यय रुकेगा, जल उपयोग दक्षता बढ़ेगी और भूमि अधिग्रहण की समस्या भी नहीं आएगी। अब तक वर्षा पर निर्भर रहने वाले किसानों को इस योजना से वर्षभर सिंचाई हेतु पर्याप्त जल उपलब्ध हो सकेगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बगिया समृद्धि एम-कैड योजना न केवल सिंचाई व्यवस्था को आधुनिक बनाएगी, बल्कि कृषि को तकनीक आधारित, टिकाऊ और लाभकारी दिशा में आगे बढ़ाएगी। यह परियोजना जशपुर को राष्ट्रीय स्तर पर एक मॉडल एग्री-इरीगेशन डिस्ट्रिक्ट के रूप में स्थापित करने की क्षमता रखती है। उन्होंने कहा कि यह पहल हमारे अन्नदाताओं को समृद्धि, आत्मनिर्भरता और सम्मान की नई ऊँचाइयों तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त करेगी।

उल्लेखनीय है कि यह परियोजना कांसाबेल विकासखंड के बगिया क्लस्टर में मैनी नदी पर बगिया बैराज सह दाबित उद्वहन सिंचाई योजना के माध्यम से लागू की जा रही है। इसके तहत बगिया, उसकुटी, रजोती, सुजीबहार, चोंगरीबहार, बांसबहार, डोकड़ा, सिकरिया, पतराटोली, गहिराडोहर, बीहाबल, नरियरडांड एवं ढुढुडांड सहित 13 गांवों के लगभग 4933 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि देश के 23 राज्यों में स्वीकृत 34 एम-कैड परियोजनाओं में छत्तीसगढ़ का बगिया क्लस्टर एकमात्र चयनित परियोजना है। इसके लिए भारत सरकार द्वारा 95.89 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है, जबकि परियोजना की कुल लागत लगभग 119 करोड़ रुपये है। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि यह योजना क्षेत्र के समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी और किसानों को स्थायी आय का आधार प्रदान करेगी। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने इसे किसानों के लिए आने वाले समय का वरदान बताते हुए कहा कि इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी।

समृद्धि योजना के स्टेट नोडल ऑफिसर आलोक अग्रवाल ने बताया कि एम-कैड कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा अप्रैल 2025 में किया गया था। उन्होंने बताया कि यह परियोजना अगले 6 माह में पूर्ण की जाएगी और इसके संचालन एवं संधारण की जिम्मेदारी प्रारंभिक 5 वर्षों तक ठेकेदार द्वारा तथा उसके बाद जल उपभोक्ता समिति द्वारा संभाली जाएगी। इस समिति में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी भी सुनिश्चित की गई है। परियोजना में सौर ऊर्जा आधारित विद्युत आपूर्ति, स्ष्टड्ड **(Supervisory Control and Data Acquisition)** और **IoT (Internet of Things)** जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाएगा, जिससे जल का नियंत्रित और वैज्ञानिक उपयोग संभव होगा।

डेटा आधारित प्रबंधन के माध्यम से यह तय किया जाएगा कि किस क्षेत्र में कब और कितनी मात्रा में पानी देना है। इस योजना का उद्देश्य जल उपयोग दक्षता को बढ़ाना, प्रत्येक बूंद का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करना, कृषि उत्पादन में वृद्धि करना तथा किसानों की आय में स्थायी सुधार लाना है। साथ ही उन्नत कृषि पद्धतियों के माध्यम से किसानों को जलवायु परिवर्तन से जुड़े जोखिमों से निपटने में सक्षम बनाया जाएगा।

मातृशक्ति के सम्मान और सशक्तिकरण हेतु विशेष सत्रः एक तिहाई आरक्षण के संकल्प को मिला व्यापक समर्थन

महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम के रूप में सदैव रखा जाएगा यादः मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा है कि मातृशक्ति उनके लिए केवल सम्मान का विषय नहीं, बल्कि सृजन, संस्कार और सामर्थ्य की आधारशिला है। इसी भावना के साथ छत्तीसगढ़ विधानसभा में महिलाओं के समग्र विकास और सशक्तिकरण से जुड़े महत्वपूर्ण विषय पर एक दिवसीय विशेष सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें संसद एवं देश की सभी विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण लागू करने के संकल्प पर व्यापक चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की जो मजबूत नींव रखी गई है, उसी क्रम में उनकी राजनीतिक भागीदारी को भी सशक्त करना हमारा अगला महत्वपूर्ण कदम है। यह संकल्प देश की आधी आबादी को उनके अधिकारों से पूर्ण रूप से जोड़ने का एक सार्थक प्रयास है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस महत्वपूर्ण विषय पर विशेष सत्र आयोजित करने के लिए विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहल महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम के रूप में सदैव याद रखी जाएगी।

उन्होंने कहा कि इस विशेष सत्र में समाज के विभिन्न वर्गों और क्षेत्रों से आई महिलाओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने इस ऐतिहासिक पहल के समर्थन में अपने विचार रखे और महिलाओं के अधिकारों तथा उनके सशक्तिकरण के लिए सशक्त स्वर प्रदान किया। सदन में वरिष्ठ विधायकों और महिला नेतृत्व ने भी पूरे मनोयोग से चर्चा में भाग लेते हुए अपने विचार साझा किए और इस महत्वपूर्ण संकल्प का समर्थन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने स्पष्ट रूप से कहा कि नारी शक्ति के सम्मान और अधिकारों के मार्ग में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न करना न्यायसंगत नहीं है। यह विषय किसी दल या राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्र के समग्र विकास और उज्ज्वल भविष्य से जुड़ा हुआ है। ऐसे में इस दिशा में हर सकारात्मक पहल का समर्थन आवश्यक है।

'गूगल बॉय' रुद्र को, लोक भवन में मिला सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से आज लोक भवन में जिला दुर्ग के 6 वर्षीय 'गूगल बॉय' रुद्र शर्मा ने अपने पालकों के साथ मुलाकात की।अपनी अद्भुत स्मरण शक्ति से उसने हैरान कर दिया। राज्यपाल डेका से मुलाकात के दौरान रुद्र ने सामान्य ज्ञान और प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े सवालों के सटीक उत्तर देकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

कक्षा पहली के छात्र रुद्र को यूपीएससी और पीएससी स्तर के प्रश्नों के उत्तर भी याद हैं। मुलाकात के दौरान राज्यपाल ने उससे छत्तीसगढ़ के गठन, राज्य की विशेषताओं और भारतीय संविधान से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनका रुद्र ने बिना झिझक तुरंत सही जवाब दिया। रुद्र की तेज स्मरण शक्ति

और आत्मविश्वास से प्रभावित होकर राज्यपाल ने उसकी सराहना की। उन्होंने लोक भवन की ओर से रुद्र को प्रमाण पत्र प्रदान किया और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर रुद्र के माता पायल शर्मा के साथ उसके नाना विनोद शर्मा भी उपस्थित थे, जिन्होंने उसकी उपलब्धि पर खुशी जाहिर की।

सुशासन तिहार में मिला उज्जवला गैस कनेक्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। सुशासन तिहार ने ग्राम धनरास की गृहिणी माधुरी के जीवन में नई रोशनी भर दी है। वर्षों से लकड़ी के चूल्हे पर खाना बनाने की मजबूरी झेलती आ रही माधुरी आज बेहद खुश है, क्योंकि शिविर में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत उन्हें निःशुल्क गैस कनेक्शन, सिलेंडर और चूल्हा प्रदान किया गया है।

गर्मी, धुआँ और हर दिन लकड़ी जुटाने की चिंता माधुरी के लिए हमेशा से एक बड़ी परेशानी रही। दो छोटे बच्चों और मजदूरी करने वाले पति की देखभाल के बीच लकड़ी से चूल्हा जलाना उनके लिए थका देने वाला काम बन गया था। गैस कनेक्शन के लिए उन्होंने कई बार पैसे जोड़े, लेकिन पूरी राशि एक साथ जमा न कर पाने के कारण वह गैस कनेक्शन नहीं ले पाईं। माधुरी ने बताया कि उनके गाँव धनरास मे सुशासन तिहार के तहत शिविर लगने वाली है। शिविर में ग्रामीण अपना आवेदन देकर शासन की योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं। उन्हें यह भी जानकारी मिली कि शिविर में आवेदन देकर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का लाभ आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। इस जानकारी के बाद माधुरी ने तुरंत आवेदन दिया। आवेदन की जांच के उपरांत खाद्य विभाग द्वारा उनका चयन किया गया और उन्हें शिविर में गैस कनेक्शन प्रदान करने के लिए बुलाया गया।

शिविर में उद्योग, वाणिज्य और श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने स्वयं माधुरी को गैस कनेक्शन, सिलेंडर और चूल्हा प्रदान किया। गैस चूल्हा मिलने के बाद माधुरी ने बताया कि लकड़ी का चूल्हा जलाना उनके लिए बेहद कठिन था और अब गैस मिलने से खाना बनाना बहुत आसान हो गया है। उन्होंने कहा कि दो छोटे बच्चों और मजदूरी करने वाले पति के लिए कभी भी तुरंत चूल्हा जलाकर भोजन बनाना मुश्किल था, लेकिन अब केवल लाइटर ऑन करने भर से खाना-नाश्ता आसानी से तैयार हो जाएगा। माधुरी को यह गैस कनेक्शन पूरी तरह निःशुल्क प्रदान किया गया है। साथ ही 100 दिन का रोजगार पूरा करने पर उन्हें जॉब कार्ड भी दिया गया है, जिससे उनकी आर्थिक सुरक्षा और मजबूत हुई है।

राष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ की दोहरी उपलब्धि

फाइलेरिया व मलेरिया नियंत्रण में राज्य मॉडल की देशभर में सराहना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ ने एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है। 30 अप्रैल और 01 मई 2026 को चंडीगढ़ में आयोजित **"National Summit on Innovation and Inclusivity – Best Practices Shaping IndiaÓs Future"** में राज्य को फाइलेरिया और मलेरिया उन्मूलन के लिए अपनाई गई नवाचारी पहलों पर सम्मानित किया गया। यह सम्मान न केवल राज्य की स्वास्थ्य रणनीतियों की प्रभावशीलता को रेखांकित करता है, बल्कि सामुदायिक भागीदारी आधारित मॉडल की सफलता का भी प्रमाण है।

फाइलेरिया उन्मूलन अभियान में **BIHAN** (स्टेट रूरल लाइवलीहुड मिशन) से जुड़ी महिला स्व-सहायता समूहों की सक्रिय भागीदारी को राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया। **Mission Steering Group–Human Resource (MSG–HR)** के अंतर्गत इस मॉडल को देश की सर्वश्रेष्ठ नवाचारी और समावेशी पहल के रूप में मान्यता मिली, जिसमें का तकनीकी सहयोग भी महत्वपूर्ण रहा।

मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन अभियान के दौरान महिलाओं ने घर-घर पहुंचकर न केवल दवा सेवन सुनिश्चित कराया, बल्कि समुदाय में व्याप्त भ्रांतियों को भी दूर किया। सामुदायिक बैठकों और जागरूकता गतिविधियों के जरिए लोगों में भरोसा कायम किया गया। इसका परिणाम यह रहा कि दवा सेवन से इनकार करने वाले लगभग 74त्न लोगों को सहमति के लिए तैयार किया गया-जो इस मॉडल की सबसे बड़ी सफलता के रूप में उभरकर सामने आया।

सम्मेलन में 'मलेरिया मुक्त बस्तर' अभियान को भी एक प्रभावी और परिणामोन्मुख पहल के रूप में विशेष सराहना मिली। बस्तर के दूरस्थ और आदिवासी अंचलों में संचालित इस अभियान के तहत घर-घर स्क्रीनिंग, रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट से समय पर जांच, त्वरित उपचार और Day-7 व Day-14 फॉलो-अप के माध्यम से पूर्ण इलाज सुनिश्चित किया गया। इस अभियान की खास उपलब्धि लक्षणहीन मरीजों की पहचान रही, जिससे संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ने में निर्णायक मदद मिली। इसके सकारात्मक परिणाम भी स्पष्ट रूप से सामने आए हैं- राज्य का **API** वर्ष 2019 में 1.97 से घटकर 2025 में 0.90 हो गया, जबकि बस्तर संभाग में यह 13.12 से घटकर 6.98 तक पहुंच गया।

राष्ट्रीय मंच पर उपस्थित विशेषज्ञों और नीति-निर्माताओं ने छत्तीसगढ़ के ब्लॉक्क्रह आधारित सामुदायिक मॉडल और 'मलेरिया मुक्त बस्तर' अभियान को अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय बताया। कम लागत में अधिक प्रभाव देने वाली ये पहलें यह साबित करती हैं कि जनभागीदारी और स्थानीय रणनीतियों के माध्यम से जटिल स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान संभव है।

संभाग स्तरीय गोंड समाज को मिला न्याय, 33 साल पुराना रजिस्ट्रेशन मिला वापस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। संभाग स्तरीय गोंड समाज के पंजीयन का विवाद सुलझ गया है। लगभग 33 वर्ष पुरानी संस्था का पंजीयन क्रमांक 1439 है जो 1993 से पंजीकृत है। समाज के पंजीयन को कुछ लोगों द्वारा फर्जी दस्तावेजों की मदद से हथिया लिया गया। इसके बाद समाज के लोगों ने पंजीयन को यथावत रखने भरपूर प्रयास किया। इसके बाद समाज के लोगों ने अधिवक्ता प्रभांक ठाकुर के जरिए पंजीयक फर्म एवं संस्थाए रायपुर के समक्ष अपील प्रस्तुत की। लंबी लड़ाई के बाद आखिरकार संभाग स्तरीय गोंड समाज के वास्तविक लोगों को उनका पंजीयन वापस मिला। शुक्रवार को समाज के लोगों ने प्रेसवार्ता के माध्यम से इसकी जानकारी साझा की और अधिवक्ता प्रभांक ठाकुर का आभार जताया।

इस पूरे मामले में समाज के अध्यक्ष मोहन सिंह हिडको ने बताया कि समाज के तत्कालीन पदाधिकारियों के द्वारा वर्ष 1998 से 2011 तक की जानकारी सहायक पंजीयक दुर्ग को प्रस्तुत की। 2024 में समाज के प्रेम सिंह धावडे एवं अन्य लोगों ने असत्य जानकारी देकर नागवंशी गोंड समाज का अध्यक्ष बताते हुए सहायक पंजीयक से सूची अनुमोदित करा ली। अधिवक्ता प्रभांक ठाकुर ने पंजीयक को बताया की संविधान की सूची में गोंड जाती दर्ज है ना की नागवंशी गोंड, इससे समाज में भ्रम उतपन्न हो जायेगा तथा जाती प्रमाण पत्र में भिन्नता होने से समाज के लोगों को लाभ मिलने में कठनाई का सामना करना पड़ेगा।

इसके विपरीत दूसरे पक्ष के लोगों ने बताया वे नाग की पूजा करते है इस लिए नागवंशी लिखते है और वर्ष 1983-84 से संस्था चला रहे है। इन लोगों ने दावा किया मृत प्राय संस्था को जीवित कर समाज हित में कार्य कर रहे है इसलिए अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह नेताम, कुमार कोरेटी सुरेश दुग्गा, जगत राम सलामे एवं तुलसी राम मरकाम, मोहन सिंग हिडको आदि को संस्था चलाने का अधिकार नहीं है इसलिए अनुमोदित सूची विधि संमंत है। अधिवक्ता प्रभांक ठाकुर ने तर्क दिया की यह लोग 1983-84 से संस्था चलाने का दावा कर रहे हैं जबकि संभाग स्तरीय गोंड समाज पंजीयन क्रमांक का पंजीयन वर्ष 1993 में हुआ है जिससे स्पष्ट है कि दूसरे पक्ष के लोग अलग हैं समाज को भटकाने के लिए संभाग स्तरीय गोंड समाज के नाम का उपयोग कर रहे है जिससे सामजिक व्यवस्था में विसंगति आयेगी।

अधिवक्ता प्रभांक ठाकुर के तर्क से सहमती जताते हुए पंजीयक फर्म एवं संस्था ने अपने अपील आदेश 24 सितंबर 2025 में सहायक पंजीयक प्रमोद कुजूर द्वारा 28 अक्टूबर 20 24 की प्रेम सिंह धावडे के अध्यक्ष वाली जारी सूची को निरस्त कर दिया। इसके बाद प्रेम सिंह धावडे ने छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के उप सचिव के समक्ष चुनोती दी जिस पर पुनः अधिवक्ता प्रभांक ठाकुर ने सचिव को बताया की संभाग स्तरीय गोंड समाज जिसमे मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं महाराष्ट्र तक के सदस्य है जबकि उत्तरवादी स्वयं को नागवंशी गोंड समाज का अध्यक्ष बताया गया है जो की पंजीकृत नहीं है फिर भी सहायक पंजीयक ने दस्तावेजो का अवलोकन किये बिना उनके द्वारा प्रस्तुत सूची को संभाग स्तरीय गोंड समाज पंजीयन क्रमांक 1439 के नाम से अनुमोदित कर दिया।

उप सचिव ने सुनवाई के दौरान रजिस्ट्रार फर्म एवं संस्थाए रायपुर द्वारा दिए आदेश को यथावत रखते हुए संभाग स्तरीय गोंड समाज के पक्ष में निर्णय दिया। समाज के अध्यक्ष मोहन सिंह हिडको ने समाज को बताया की संभाग स्तरीय गोंड समाज सभी वर्गों के संघर्ष के लिए कार्य करता रहेगा तथा गोंड समाज के सभी वर्गों के लिए सदयस्ता अभियान चला कर समाज का विस्तार किया जाएगा। उन्होंने इस पूरे प्रकरण में अपना पक्ष मजबूती से रखने वाले अधिवक्ता प्रभांक ठाकुर समाज के सभी वर्गों की ओर से आभार जताया।

संघर्ष और सपनों पर खुलकर बोलीं रश्मि देसाई

मैं सिंगल हूं, लेकिन मजबूत हूं.......

एक्टिंग की दुनिया में कई सितारे सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचते हैं, लेकिन कुछ कलाकार असफलताओं और निजी संघर्षों का सामना करते हुए टूट भी जाते हैं। हालांकि कुछ कलाकार ऐसे भी होते हैं जो हर मुश्किल के बाद और मजबूत होकर सामने आते हैं। ऐसी ही हैं रश्मि देसाई, जिन्होंने अपने करियर और निजी जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन कभी हार नहीं मानी।

रश्मि ने अपने संघर्ष, सपनों, असफलताओं और अपनी शर्तों पर जिंदगी जीने को लेकर खुलकर बात की। रश्मि देसाई ने खुद को एक मजबूत सोच वाली सिंगल महिला बताते हुए कहा, मैंने जिंदगी में हमेशा आगे बढना सीखा है। मेरे लिए जिंदगी में बदलाव आना बिल्कुल सामान्य बात है, और यही जीवन का सबसे बड़ा सच भी है। हर चीज एक समय के बाद बदल जाती है, इसलिए इंसान को भी बदलाव को अपनाना सीखना चाहिए। उन्होंने कहा, मैंने अपनी जिंदगी से एक सबसे अहम बात सीखी है और वह है लगातार आगे बढ़ते रहना। अगर इंसान रुक जाता है तो वह पीछे छूट जाता है, इसलिए मुश्किल हालात में भी आगे बढना जरूरी होता है। अभिनेत्री ने कहा, जैसे-जैसे इंसान जिंदगी में आगे बढ़ता है, वैसे-वैसे उसके सपने भी बड़े होते जाते हैं। सपने देखने पर कोई टैक्स खर्च नहीं लगता।

इसलिए इंसान को बिना डरे बड़े सपने देखने चाहिए। हर व्यक्ति को खुद को हर कदम पर चुनौती देनी चाहिए और अपनी क्षमता को पहचानने की कोशिश करनी चाहिए। इंसान का काम अपनी तरफ से पूरी मेहनत करना है, बाकी चीजें भगवान पर छोड़ देनी चाहिए। रश्मि ने अपनी जिंदगी के मुश्किल दौर को भी याद किया। उन्होंने कहा, मैंने कई बार असफलताओं का सामना किया है। मैं जिंदगी में कई बार गिरी हूं, लेकिन हर बार खुद को संभाला और फिर से खड़ी हुई। असफलताएं इंसान को बहुत कुछ सिखाती हैं।

सफलता इंसान को खुशी देती है, लेकिन असफलता उसे मजबूत बनाती है और जिंदगी की असली सीख देती है। उन्होंने कहा, एक सिंगल महिला होने के बावजूद मैंने कभी खुद को कमजोर नहीं समझा। मैं मानसिक रूप से बहुत मजबूत हूं और किसी भी मुश्किल परिस्थिति में हार मानने में विश्वास नहीं रखतीं। जिंदगी में मुश्किलें सभी के सामने आती हैं, लेकिन जरूरी यह है कि इंसान उनका सामना कैसे करता है।

रश्मि ने कहा, हर कलाकार का अपना एक तरीका और सोच होती है। मैं अपने काम को लेकर एक खास पैटर्न और अनुशासन फॉलो करती हूं। अगर कोई कलाकार अपने दर्शकों को धोखा देता है या सिर्फ दिखावे के लिए काम करता है, तो उसका करियर ज्यादा लंबा नहीं चलता। इसलिए कलाकार को हमेशा ईमानदारी के साथ काम करना चाहिए।

मनीषा रानी से शादी करना चाहता है ये एक्टर इस शर्त पर करेगा प्रपोज; वर्ना रहेगा दोस्त

अभिनेत्री मनीषा रानी के लिए एक एक्टर ने अपनी भावनाएं जाहिर की हैं। उनका कहना है कि अगर वह रोमांटिक रिश्ते में आए तो मनीषा से शादी कर लेंगे।

'द 50' की कंटेस्टेंट मनीषा रानी अपनी सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर सुर्खियों रहती हैं। इस बार वह अगल वजहों से चर्चा में हैं। मामला उनकी शादी से जुड़ा है। एक एक्टर उनसे शादी करना चाहता है। उन्होंने उनके लिए अपनी भावनाएं भी जाहिर की हैं। यह एक्टर कोई और नहीं बल्कि उनके साथ 'द 50' में कंटेस्टेंट रहे सिद्धार्थ भारद्वाज हैं।

हाल ही में एक इंटरव्यू में सिद्धार्थ ने मनीषा के लिए अपनी भावनाएं जाहिर की हैं। सिद्धार्थ ने मनीषा के लिए अपने प्यार का इजहार भी किया है। सिद्धार्थ कन्नन से बातचीत में सिद्धार्थ भारद्वाज ने कहा 'मनीषा रानी बहुत अच्छी लड़की हैं, फिर भी वह मुझसे डरती हैं। उनके दिल में मेरे लिए प्यार है। उन्होंने मेरे लिए आंसू बहाए हैं, जिससे पता चलता है कि उन्हें मेरी परवाह है। वह यह भी समझती हैं कि मैं आजादी में विश्वास रखता हूं। उन्हें पहले भी प्यार में धोखा मिला है, और मुझे भी। मुझे पता है कि उनके दिल में मेरे लिए रोमांटिक भावनाएं हैं। मेरे दिल में भी उसके लिए वैसी ही भावनाएं हैं।'

शादी के लिए प्रपोज करेंगे सिद्धार्थ

एक्टर ने आगे कहा, 'मुझे डर है कि अगर मैं उनके साथ रोमांटिक रिश्ते में आ गया और उन्हें दुख पहुंचाया, तो मैं खुद को कभी माफ नहीं कर पाऊंगा। वह बहुत जिंदादिल और सच्ची लड़की हैं। अगर मैं उनके साथ रोमांटिक रिश्ते में आया, तो मैं उन्हें शादी के लिए प्रपोज करूंगा। वह इस बात को समझती हैं। इसीलिए उनके जैसी लड़कियां मुझे पसंद करती हैं। उन्हें एहसास होता है कि भले ही मैं दूसरों को बुरा लगूं, लेकिन मेरा दिल बहुत अच्छा है।'

शादी न हुई तो रहेगा ये रिश्ता

उन्होंने आगे कहा 'अगर हमारी भावनाएं एक जैसी होंगी, तो हम आधिकारिक तौर पर कपल बन जाएंगे। अगर नहीं होंगी, तो हम दोस्त बने रहेंगे। मैं उनकी शादी में जरूर जाऊंगा'

मनीषा के मन में क्या है?

मनीषा ने अभी तक सिद्धार्थ के लिए अपनी भावनाएं जाहिर नहीं की हैं। 'द 50' खत्म होने के बाद से, वह लगातार यही कहती रही हैं कि वे सिर्फ अच्छे दोस्त हैं।

फिल्म राजा शिवाजी करेगी बंपर ओपनिंग? एडवांस बुकिंग में दिखा मजबूत प्रदर्शन

रितेश देशमुख ने अब तक हीरो, विलेन और कॉमिक किरदार निभाकर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया है। पहली बार अभिनेता एक पीरियड ड्रामा फिल्म का हिस्सा बने हैं, जिसका निर्देशन भी उन्होंने खुद ही किया है।

उनकी ऐतिहासिक फिल्म राजा शिवाजी 1 मई को सिनेमाघरों में उतरने के लिए बिल्कुल तैयार है। इससे पहले, फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू कर दी गई थी जिसमें फिल्म ने शानदार प्रदर्शन दिखाते हुए धड़ाधड़ टिकटों को बेच डाला है।

सैकनिल्क के मुताबिक, राजा शिवाजी ने 30 अप्रैल की सुबह तक 76,467 से ज्यादा टिकट बेच दिए हैं। यह बिक्री मराठी 2डी, हिंदी 2डी और हिंदी 4डीएक्स को मिलकार कुल 3,587 शोज के लिए हुई है। इस तरह फिल्म ने रिलीज से पहले देशभर में 1.98 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। वहीं ब्लॉक सीटों के साथ फिल्म का कलेक्शन 2.66 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। बता दें, फिल्म हिंदी और मराठी भाषा में रिलीज हो रही है।

एडवांस बुकिंग से संकेत मिलता है कि राजा शिवाजी जबरदस्त शुरुआत करने के लिए तैयार है। संकेत यह भी बताते हैं कि फिल्म दोहरे आकंड़ों के साथ खाता खोलेगी, लेकिन देखना होगा कि क्या यह महाराष्ट्र के इतिहास में सबसे बड़ी ओपनिंग वाली फिल्मों को टक्कर दे पाएगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, धुरंधर 2 ने 22 करोड़ के साथ क्षेत्रीय स्तर पर सबसे बड़ी ओपनिंग का रिकॉर्ड बनाया है। इसके साथ पुष्पा 2 (18 करोड़) और छावा (17 करोड़) है।

सामंथा ने मां इंटी बंगाराम की रिलीज डेट की घोषणा की

स्टार हीरोइन समंथा अभिनीत फिल्म मां इंटी बंगारम की रिलीज डेट आखिरकार तय हो गई है। फिल्म टीम ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि यह प्रतिष्ठित फिल्म 15 मई को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। लंबे अंतराल के बाद समंथा तेलुगु सिनेमा में नजर आ रही हैं, इसलिए इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं।

इस फिल्म में वह एक मध्यमवर्गीय इल्लाली की भूमिका निभाएंगी और दमदार एक्शन सीक्वेंस में नजर आएंगी। ओह बेबी जैसी सुपरहिट फिल्में दे चुकीं नंदिनी रेड्डी इस फिल्म का निर्देशन कर रही हैं, जबकि समंथा अपनी प्रोडक्शन कंपनी ट्रालला मूविंग पिक्चर्स के बैनर तले इसका निर्माण कर रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन जाने-माने निर्देशक राज निदिमोरु ने किया है और संगीत संतोष नारायणन ने दिया है। फिल्म में गुलशन देवैया, दिगंथ, गौतमी और श्रीमुखी जैसे प्रमुख कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं।

सामंथा ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक नया पोस्टर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, एक्शन से भरपूर गोल्डन हंट, इस गर्मी में सिनेमाघरों में मिलते हैं, जिससे प्रशंसकों में उत्साह और बढ़ गया है। उद्योग जगत के सूत्रों का मानना है कि गर्मियों की छुट्टियों को ध्यान में रखकर बनाई गई यह फिल्म सामंथा के करियर में एक और मील का पत्थर साबित होगी।

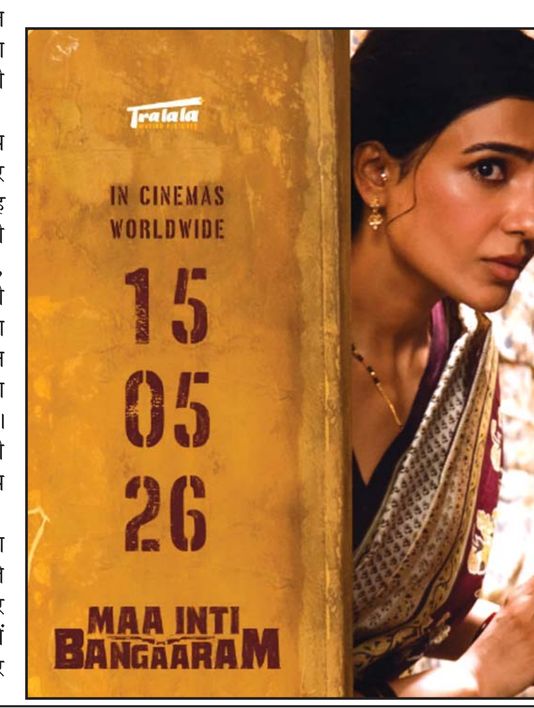

गर्मियों के दौरान पेट की समस्याएं क्यों बढ़ जाती हैं? जानिए कारण

गर्मियों में पाचन तंत्र पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिसके कारण पेट की समस्याएं बढ़ जाती हैं। इस मौसम में लू और पानी की कमी के कारण भी पेट की समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा, गर्मियों में कई लोग तले हुए और अधिक तेल वाले खाद्य पदार्थ खाना पसंद करते हैं, जो पाचन के लिए ठीक नहीं होते। आइए जाने कि गर्मियों में पेट की समस्याएं क्यों बढ़ जाती हैं।

खान-पान में लापरवाही

गर्मियों में खाने-पीने का ध्यान रखना बहुत जरूरी है, क्योंकि इस मौसम में सही तरीके और सही समय पर खाना बेहद जरूरी है। दरअसल, गर्मियों में लोग अपनी भूख को नजरअंदाज कर देते हैं और जब भूख लगती है तो कुछ भी खा लेते हैं, जो पाचन तंत्र को प्रभावित कर सकता है।

इसके अलावा, लोग तले हुए और तेल वाले खाद्य पदार्थ खाना भी पसंद करते हैं, जो पेट के लिए ठीक नहीं होते।

पानी की कमी

गर्मियों में शरीर में पानी की कमी और लू जैसी समस्याएं पेट की समस्याओं का कारण बन सकती हैं। इनसे बचने के लिए दिनभर में पर्याप्त मात्रा में पानी जरूर पिएं। इसके अलावा शरीर में पानी की कमी को पूरा करने के लिए नारियल पानी, नींबू पानी और ताजे फलों का रस भी पी सकते हैं। इसके साथ ही तरबूज, खरबूज और खीरे जैसी पानी से भरपूर सब्जियां और फलों का सेवन करें।

खाने के तुरंत बाद पानी पीना

खाने के तुरंत बाद पानी पीने की आदत भी पेट की समस्याओं का कारण बन सकती है। अगर आप खाने के तुरंत बाद पानी पीते हैं, तो इस आदत को सुधार लें। खाने के एक घंटे बाद ही पानी पिएं। खाने के दौरान पानी पीने से पाचन पर बुरा असर पड़ता है और इससे गैस बनने की संभावना बढ़ जाती है। इससे कब्ज और अपच जैसी पेट की समस्याओं का भी खतरा बढ़ जाता है।

बाहर का खाना

गर्मियों में बाहर का खाना खाने से बचें क्योंकि इस मौसम में बाहर का खाना जल्दी खराब हो जाता है और इससे खाने की खराबी होने की संभावना बढ़ जाती है। खाने की खराबी के कारण उल्टी, दस्त, पेट दर्द और मतली जैसी कई समस्याएं हो सकती हैं। बेहतर होगा कि आप बाहर के खाने की बजाय घर का बना भोजन खाएं और घर का बना भोजन भी ताजा खाएं।

ताजे फलों का सेवन

गर्मियों में तरबूज, खरबूज और खीरे जैसे ताजे फल मिल जाते हैं। ये फल स्वादिष्ट होने के साथ ही पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। तरबूज में विटामिन-सी, विटामिन-ए और पोटेशियम की अधिक मात्रा होती है। खरबूज में विटामिन-सी, विटामिन-ए और फोलेट पाया जाता है। खीरे में भी विटामिन-सी और पोटेशियम की अधिक मात्रा होती है। इन फलों का सेवन करने से शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद मिल सकती है।

खास खबर

मोबाइल मेडिकल यूनिट बनी विशेष पिछडी जनजाति क्षेत्र के लिए संजीवनी

रायपुर। मोबाइल मेडिकल यूनिट दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए संजीवनी साबित हो रही है, जो घर-घर जाकर प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं, मुफ्त जांच और दवाएं उपलब्ध करा रही हैं। यह पहल विशेष रूप से कमजोर और दुर्गम इलाकों में समय पर इलाज सुनिश्चित करके गंभीर बीमारियों को रोकने और स्वास्थ्य समानता लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। छत्तीसगढ़ में विशेष पिछड़ी जनजाति के लिए 57 नई मेडिकल मोबाइल यूनिट शुरू की गई हैं, जो 25 तरह की बीमारियों का मुफ्त इलाज कर रही हैं। राज्य शासन की मंशानुसार दूरस्थ वनांचलों और दुर्गम पहाड़ियों पर बसे विशेष पिछड़ी जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में मोबाईल मेडिकल यूनिट वरदान साबित हो रही है। पहले इन क्षेत्रों के ग्रामीणों को मिलों पैदल चलना पड़ता था, वहीं अब अस्पताल खुद उनके गली मोहल्लों तक पहुंच रहा है। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के विशेष पिछडी जनजाति कमार बाहुल्य ग्राम बल्दाकछार और औराई में प्रधानमंत्री जनमन योजना अंतर्गत 15 जनवरी 2026 से एक मोबाइल मेडिकल यूनिट संचालित हैं। इन दोनों गांव के साथ ही यह यूनिट कसडोल क्षेत्र के अन्य ग्रामों में भी कैम्प लगाती है। लगभग साढ़े तीन माह में इस यूनिट से 2035 लोगों ने नि:शुल्क ईलाज का लाभ लिया हैं।

पोट्ठ लईका पहल अभियान ने बच्चों के पोषण स्तर में उल्लेखनीय सुधार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कुपोषण के विरुद्ध चल रही मुहिम अब प्रभावी परिणामों के साथ एक मजबूत जन-आंदोलन का रूप लेती दिख रही है। राजनांदगांव जिले में प्रशासन के नेतृत्व में महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के समन्वित प्रयासों से संचालित पोट्ठ लईका पहल अभियान ने बच्चों के पोषण स्तर में उल्लेखनीय सुधार दर्ज कराते हुए राज्य के लिए एक प्रेरणादायक मॉडल प्रस्तुत किया है। जून 2025 से प्रारंभ इस अभिनव अभियान का उद्देश्य केवल कुपोषण की पहचान करना नहीं, बल्कि समुदाय को जागरूक कर व्यवहार परिवर्तन के माध्यम से स्थायी समाधान सुनिश्चित करना है। इसी कड़ी में प्रत्येक गुरुवार को जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों में पालक चौपाल का नियमित आयोजन किया जा रहा है, जहां अभिभावकों को तिरंगा भोजन (संतुलित और विविध आहार), शिशु एवं मातृ पोषण, स्तनपान के महत्व, एनीमिया की रोकथाम, स्वच्छता और बच्चों की समुचित देखभाल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सरल, व्यवहारिक और स्थानीय भाषा में जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही कुपोषित बच्चों की नियमित जांच, वजन-लंबाई की मॉनिटरिंग, आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता और पोषण परामर्श भी सुनिश्चित किया जा रहा है, अभियान की शुरुआत के समय जून 2025 में जिले के 0 से 5 वर्ष के कुल 55,797 बच्चों को चिन्हित किया गया था, जिनमें से 9,751 बच्चे कुपोषण की विभिन्न श्रेणियों—गंभीर, अति गंभीर और मध्यम—में शामिल थे।

'बगिया के विष्णु' का विकास विज़न

सुशासन से जन-जन तक पहुंचती सरकार

एल.डी.मानिकपुरी
सहायक जनसंपर्क अधिकारी, कोरिया

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बीते लगभग ढाई वर्षों में शासन की कार्यशैली को लेकर एक नई परिभाषा गढ़ने की कोशिश दिखाई देती है। विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने श्सुशासनश् को केवल एक नारा नहीं, बल्कि जमीनी क्रियान्वयन का आधार बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। सीमित समयावधि करीब 2 वर्ष 4 माह 17 दिन में ही सरकार ने विकास का जो खाका तैयार किया है, उसे भविष्य की बड़ी तस्वीर के रूप में देखा जा रहा है।

प्रदेश की पहचान 'धान का कटोरा' के रूप में रही है, लेकिन इस पहचान को सम्मान देने का काम हालिया नीतिगत निर्णयों में स्पष्ट दिखता है। किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी और 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर तय करना केवल आर्थिक निर्णय नहीं, बल्कि अन्नदाताओं के आत्मविश्वास को मजबूत करने की पहल भी है। इसके साथ ही, तेंदूपत्ता संग्राहकों जिन्हें 'हरा सोना' से जुड़ा श्रमिक वर्ग कहा जाता है, के लिए पारिश्रमिक दर को 5500 रुपये करना और चरण पादुका वितरण जैसे निर्णयों ने आदिवासी क्षेत्रों में राहत पहुंचाई है। मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते ही लगभग 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति देना सरकार की प्राथमिकताओं को दर्शाता है। बेघर और जरूरतमंद परिवारों को छत उपलब्ध कराना सुशासन की पहली सीढ़ी के रूप में देखा गया।राज्य सरकार ने 70 लाख से अधिक विवाहित महिलाओं के खातों में प्रतिमाह 1000 रुपये की सहायता राशि देने की पहल की। यह राशि भले सीमित लगे, लेकिन ग्रामीण और जरूरतमंद परिवारों के लिए यह आर्थिक संबल का काम कर रही है। यह कदम महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक भागीदारी को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

लंबे समय तक नक्सलवाद से प्रभावित रहे बस्तर क्षेत्र में शांति स्थापित करने की दिशा में केंद्र और राज्य के संयुक्त प्रयासों ने असर दिखाया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री श्री अमित शाह की रणनीति और संकल्प के साथ 31 मार्च 2026 तक नक्सलमुक्ति का लक्ष्य एक बड़े बदलाव का संकेत देता है। इससे विकास कार्यों को गति मिलने की उम्मीद बढ़ी है। विष्णु देव साय सरकार ने युवाओं के लिए पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करने के उद्देश्य से श्छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोगश् से जुड़े मामलों में जांच कराना सरकार के जवाबदेही वाले दृष्टिकोण को दर्शाता है। साथ ही, खेल गतिविधियों विशेषकर बस्तर व सरगुजा ओलंपिक जैसे आयोजनों के माध्यम से स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया गया है। विगत वर्ष आयोजित 'सुशासन तिहार' को इस वर्ष भी 1 मई से 10 जून तक आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य योजनाओं की जमीनी हकीकत को परखना, नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना और प्रशासन को सीधे जनता से जोड़ना है। श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य के समन्वय को श्डबल इंजन सरकारश् के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।

राज्य सरकार का मानना है कि इस समन्वय से विकास योजनाओं को गति मिली है और इसका लाभ प्रदेश के लगभग तीन करोड़ नागरिकों तक पहुंच रहा है। 'बगिया के विष्णु' के रूप में पहचाने जाने वाले मुख्यमंत्री साय ने प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों ईब से इंद्रावती तक विकास का जो रोडमैप तैयार किया है, वह समावेशी विकास की अवधारणा को दर्शाता है। लक्ष्य स्पष्ट है, अंतिम छोर के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना।

छत्तीसगढ़ में सुशासन की यह यात्रा अभी श्प्रारंभिक चरणश् में है, लेकिन दिशा स्पष्ट दिखाई देती है। सरकार की प्राथमिकताओं में किसान, महिला, आदिवासी, युवा और ग्रामीण समाज केंद्र में हैं। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि ये नीतियां किस तरह स्थायी बदलाव का रूप लेती हैं, लेकिन फ़िलहाल इतना तय है कि विकास की यह कहानी गति पकड़ चुकी है।

आम जनता से शालीनता से पेश आएं अधिकारी - मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रशासनिक व्यवस्था को जनकेंद्रित और संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से शासकीय अधिकारियों को स्पष्ट और सख्त निर्देश दिए हैं कि वे आमजन के साथ शालीनता, धैर्य और सम्मान के साथ व्यवहार करें। उन्होंने दो टूक कहा कि मुख्यालय और फील्ड स्तर पर शासकीय अधिकारी ही शासन का चेहरा होते हैं, इसलिए उनका आचरण शासन की छवि को प्रभावित करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को सुनना प्रशासनिक अधिकारियों का पहला कर्तव्य है। उन्होंने अधिकारियों को आगाह किया कि वे जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुनें और समाधान पर केंद्रित रहें। उन्होंने स्पष्ट किया कि संवाद तभी सार्थक है, जब उसमें संवेदना और समस्याओं का समाधान करने की नीयत हो।

उन्होंने निर्देश दिए कि सभी विभागों में जनसमस्याओं के निराकरण को प्रभावी, सरल और भरोसेमंद बनाया जाए। जब कोई आम नागरिक किसी शासकीय कार्यालय पहुंचे, तो उसे यह महसूस होना चाहिए कि उसकी बात सुनी जा रही है और उसके साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सकारात्मक अनुभव ही जनता के मन में विश्वास पैदा करता है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि योजनाओं की सफलता केवल आंकड़ों से नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर लोगों के अनुभव से मापी जाती है। इसलिए अधिकारी फील्ड में सक्रिय रहें, लोगों से सीधे संवाद करें और उनकी वास्तविक जरूरतों के अनुरूप कार्य करें। उन्होंने कहा कि संवेदनशीलता और तत्परता ही प्रशासन की असली ताकत है। उन्होंने अधिकारियों से पारदर्शिता और जवाबदेही को अपने कार्य का मूल आधार बनाने की अपेक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता का विश्वास सबसे बड़ी पूंजी है, जिसे बनाए रखने के लिए ईमानदारी के साथ-साथ व्यवहार में शालीनता और विनम्रता भी जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सुशासन केवल नीतियों से नहीं, बल्कि व्यवहार से स्थापित होता है। यदि अधिकारी जनता के साथ सरल, सहज, सहयोगात्मक और जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण का तरीका हर समय अपनाते हैं, तो प्रशासन स्वयमेव अधिक प्रभावी हो जाता है और शिकायतों की संख्या स्वत: कम होने लगती है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ का सपना तभी साकार होगा, जब प्रशासन हर नागरिक के लिए सुलभ, संवेदनशील और सम्मानजनक बने। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे इस भावना को अपने कार्य का मूल मंत्र बनाकर आगे बढ़ें और हर व्यक्ति को यह अहसास दिलाएं कि सरकार उसके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्पष्ट किया कि सुशासन तिहार के दौरान वे स्वयं विभिन्न क्षेत्रों में आकस्मिक निरीक्षण करेंगे और अधिकारियों के कार्य के साथ-साथ उनके व्यवहार पक्ष का भी अवलोकन करेंगे।उन्होंने कहा कि जनसंपर्क के दौरान अधिकारियों की संवेदनशीलता, शालीनता और जवाबदेही को प्राथमिकता के साथ परखा जाएगा।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी निराकरण के लिए सुशासन तिहार 2026 का आयोजन 1 मई से 10 जून तक प्रदेशभर में किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर समाधान शिविर लगाए जाएंगे।

शिविर में पहुंची वीणा भारती को मौके पर ही बना कर दिया गया बीपीएल राशन कार्ड

श्रीकंचनपथ समाचार

कवर्धा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में आयोजित सुशासन तिहार 2026 आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का सशक्त माध्यम बनकर उभर रहा है। इस पहल के माध्यम से शासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित हो रहा है, जिससे लोगों की वर्षों पुरानी समस्याओं का भी तेजी से निराकरण हो रहा है। शिविर में पहुंची कबीरधाम जिले की श्रीमती वीणा भारती को मौके पर ही बीपीएल राशन कार्ड बना कर दिया गया।

कबीरधाम जिले के विकासखंड कवर्धा ग्राम सिंघनपुरी की श्रीमती वीणा भारती का विवाह दो वर्ष पूर्व हुआ था। उनके पति श्री भावेंद्रक लहरे किसानी का कार्य करते हैं। विवाह के बाद से ही वीणा के परिवार को राशन कार्ड

नहीं होने के कारण कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। शिविर आयोजित हुआ, तब वीणा भारती लहरे ने बीपीएल राशन कार्ड के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल के माध्यम से आवेदन प्राप्त किए गए और त्वरित निराकरण की प्रक्रिया अपनाई गई।

शासन की तत्परता और पारदर्शी व्यवस्था के चलते उनके आवेदन पर शीघ्र कार्रवाई हुई।

जनगणना 2027 प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना प्रारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

अम्बिकापुर। जिले में जनगणना 2027 के अंतर्गत प्रथम चरण में मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य आज से प्रारंभ हो गया है, जोकि 30 मई 2026 तक संचालित किया जाएगा। इस चरण के तहत जिले के प्रत्येक मकानों का भौतिक सत्यापन करते हुए उसकी स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं एवं अन्य मूलभूत जानकारियों का संकलन किया जाएगा।

कलेक्टर अजीत वसंत ने जनगणना कार्यों की प्रगति का जायजा लेने हेतु ग्राम पंचायत आमदरहा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रगणकों से जनगणना प्रक्रिया की जानकारी ली तथा कार्य की गुणवत्ता के साथ समय पूर्व जनगणना कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही ग्रामीण नागरिकों को जागरूक करने के लिए मुनादी कराने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि नागरिकों द्वारा दी गई समस्त जानकारी जनगणना अधिनियम, 1948 के तहत पूर्णत: गोपनीय रखी जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि एकत्रित आंकड़ों को सुरक्षित सर्वर पर एन्क्रिप्टेड रूप में संग्रहित किया जाए तथा किसी भी व्यक्ति विशेष की पहचान, नाम अथवा पता सार्वजनिक नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने जनगणना के नाम पर होने वाले संभावित फर्जीवाड़े से सतर्क रहने की सलाह देते हुए कहा कि नागरिक केवल शासन द्वारा अधिकृत प्रगणकों को ही सही एवं सत्य जानकारी प्रदान करें।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने 'सदर साहू पेट्रोलियम' का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। लखनपुर में बिलासपुर नेशनल हाईवे- 130, राजपुरीकला स्थित 'सदर साहू पेट्रोलियम' का शुक्रवार को छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया। उद्घाटन के पश्चात मंत्री अग्रवाल ने सबसे पहले अपनी गाड़ी में पेट्रोल भरवाकर पेट्रोल पंप की सेवाओं का शुभारंभ किया।

मंत्री अग्रवाल ने पेट्रोल पंप के संचालक सुरेश साहू को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि नेशनल हाईवे 130 पर इस तरह की सुविधाओं के शुरू होने से न केवल यात्रियों को राहत मिलेगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने क्षेत्र के विकास में निजी निवेश की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए ऐसे प्रयासों को सराहनीय बताया। मंत्री अग्रवाल ने यह भी कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण और अर्द्धशहरी क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयासरत है।

पेट्रोल पंप जैसे प्रतिष्ठान न केवल सुविधा प्रदान करते हैं, बल्कि आसपास के क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को भी गति देते हैं। कार्यक्रम में पूर्व सांसद कमल भान सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं साहू समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने इस नई सुविधा के शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

धूमधाम से मनायी गई भगवान बुद्ध की जयंती

श्रीकंचनपथ समाचार

बालोद। बालोद जिले के जनपद पंचायत डोण्डीलोहारा के अंतर्गत ग्राम फरदफोड में भगवान बुद्ध की2570वी जयंती धूमधाम से मनायी गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जनपद पंचायत अध्यक्ष कांति सोनबरसा डौडी लोहारा विशेष अतिथि ग्राम पटेल एमन ठाकुर पूर्व सरपंच किरण लोन्हारे परिक्षेत्र देवरी बंगला अध्यक्ष सुनील रंगारे सचिव विजय आनंद लोनहारे उपाध्यक्ष सुरंगी रामटेके सभी ने अपनी विचार रखे ।

इस अवसर पर वक्ताओ ने कहा है कि महात्मा गौतम बुद्ध ने लोगों को अहिंसा, समानता और विश्व बंधुत्व का संदेश दिया। उनकी शिक्षा को विदेशों में भी लोगों ने अपनाया और लाखों अनुयायी उनके दिखाये मार्ग पर चलकर देश-दुनिया को शांति का संदेश दे रहे हैं। गौतम बुद्ध के उपदेश हर परिस्थिति और काल में प्रासंगिक हैं। उनकी दी गई शिक्षा हमें संयम से आगे बढ़ने का संदेश देती है। महात्मा बुद्ध के विचार और जीवन मूल्य एक बेहतर समाज और राष्ट्र निर्माण के लिए हमेशा मार्गदर्शक रहेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में हिमांशु भसगौरी विकास लोनहारे जसपाल मेश्राम विवेक मेश्राम राजेन्द्र गजभिऐ आशिष रामटेके जयप्रकाश कश्यप गोलू लोनहारे अरनव लोन्हारे रामरतन भसगौरी राकेश मेश्राम रोशन रामरतन नरेश गजभिऐ अंकित गजभिऐ, अन्नूरत्ना भसगौरी ,चांदनी लोन्हारे बेबी बाई, फूलकुंर गजभिऐ मंजू रामटेके रेणु मेश्राम, केशर मेश्राम, रामकली लोन्हारे लता लोनहारे नथिया गजभिऐ पूनम मेश्राम, खुशी लोन्हारे ,रिम्मी, झिलमिल,मिसू संगीता रामटेके सुलोचना गजभिऐ अनिता रामटेके बड़ी संख्या में उपासक एवं उपासिकाये उपस्थित रही।

जनगणना-2027 : कोरबा में डिजिटल जनगणना कार्य का हुआ शुभारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। जिले में से जनगणना-2027 के कार्य का विधिवत शुभारंभ कर दिया गया है। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी कुणाल दुदावत के निर्देशन में जिले के सभी चार्ज क्षेत्रों में प्रगणक एवं पर्यवेक्षक (सुपरवाइजर) फील्ड में उतरकर हाउस-लिस्टिंग ब्लॉक की पहचान करते हुए घर-घर सर्वेक्षण कर रहे हैं।

इस महत्त्वपूर्ण कार्य में जिले के 06 नगरीय निकाय-नगर पालिक निगम कोरबा के 07 जोन, नगर पालिका परिषद दीपका, कटघोरा, बांकीमोंगरा, तथा नगर पंचायत पाली एवं छुरीकला शामिल हैं। साथ ही जिले की सभी 12 तहसीलों-कोरबा, भैसमा, बरपाली, करतला, कटघोरा, दर्री, पोड़ी-उपरोड़ा, पसान, पाली, हरदीबाजार, दीपका और अजगरबहार में जनगणना कार्य सुचारू रूप से आरंभ किया गया है।

जनगणना के दौरान प्रगणकों द्वारा 33 बिंदुओं पर आधारित विस्तृत जानकारी ली जा रही है, जिनमें भवन का प्रकार, उसमें उपलब्ध सुविधाएं, निर्माण सामग्री, बिजली-पानी की उपलब्धता, इंटरनेट, मोबाईल, टीवी, कार जैसे संसाधनों की स्थिति सहित अन्य आवश्यक तथ्य शामिल हैं। जिला योजना एवं सांख्यिकी अधिकारी मोहन सिंह कंवर ने बताया कि आज राज्य नोडल अधिकारी बैद्यनाथ द्वारा जनगणना कार्य का मैदानी निरीक्षण किया गया। उन्होंने कोरबा नगर निगम के कोसाबाड़ी जोन, टी.पी. नगर जोन तथा तहसील अजगरबहार में चल रहे जनगणना सर्वेक्षण का अवलोकन किया और प्रगणकों से जानकारी भी ली।

उन्होंने बताया कि यह भारत की पहली पूरी तरह डिजिटल जनगणना है। प्रगणक घर-घर जाकर प्राप्त सभी सूचनाओं को एच एल बी ऐप में दर्ज करते हैं। डेटा दर्ज होने के बाद वह स्वत: सुपरवाइजर की आईडी में सिंक होता है, जहां सत्यापन के पश्चात उसे मुख्य सर्वर पर भेज दिया जाता है। डिजिटल प्रक्रिया के चलते डेटा प्रोसेसिंग अत्यंत तेज होगी और सरकार को विकास योजनाओं के लिए आवश्यक आंकड़े समय पर उपलब्ध हो सकेंगे।

जिले में जनगणना कार्य की मॉनिटरिंग अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी श्री ओंकर यादव द्वारा की जा रही है। उन्होंने जिले के सभी 24 चार्ज अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जनगणना कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चार्ज अधिकारी अपने अधीनस्थ प्रगणकों और सुपरवाइजरों पर सतत निगरानी रखते हुए गुणवत्तापूर्ण डेटा संग्रहण सुनिश्चित करेंगे। साथ ही प्रत्येक चार्ज स्तर पर जनगणना से संबंधित समस्याओं एवं शंकाओं के निराकरण हेतु कंट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
कैरेटेज एवं ग्रहलन उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

हेरोइन के साथ पांच गिरफ्तार डेढ़ लाख से ज्यादा का चिट्टा जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। ऑपरेशन विश्वास के तहत दुर्ग पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चिट्टा के साथ पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 21.18 ग्राम हेरोइन (चिट्टा), 65000 नगद व 6 मोबाइल सहित कुल 3 लाख 84 हजार 400 रुपए का मशरूका जब्त किया है। सभी आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपियों न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

बता दें दुर्ग पुलिस द्वारा जिले में नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में 1 मई को थाना भिलाई भट्ठी पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि सेक्टर-3 शिव मंदिर के पास भिलाई क्षेत्र में कुछ व्यक्ति अवैध रूप से चिट्टा (हेरोइन) का सेवन एवं विक्रय कर रहे हैं। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई, जहां 05 आरोपियों को अवैध मादक पदार्थ के साथ पकड़ा गया। आरोपियों के कब्जे से चिट्टा (हेरोइन), नगदी रकम एवं मोबाइल फोन जब्त किए गए।

पकड़े गए आरोपियों में हरजिंदर सिंह, उम्र 23 वर्ष, निवासी न्यू खुर्सीपार, भिलाई, मोन्टी अरोरा, उम्र 32 वर्ष, निवासी हाउसिंग बोर्ड जामुल, सूरज कुमार लोहार, उम्र 31 वर्ष, निवासी राजनांदगांव, नवजोत सिंह, उम्र 26 वर्ष, निवासी सेक्टर-4 भिलाई और ईशा कौर, उम्र 23 वर्ष, निवासी केम्प-1 भिलाई शामिल हैं। उक्त आरोपियों के विरुद्ध धारा 8, 21 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

उक्त कार्यवाही में थाना भिलाई भट्ठी पुलिस टीम के अधिकारी एवं कर्मचारियों की सक्रिय एवं प्रभावी भूमिका रही, जिनके द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के विरुद्ध जागरूक रहें एवं किसी भी प्रकार की सूचना तत्काल पुलिस को दें। समाज को नशामुक्त बनाने में सहयोग करें।

पेड़ पर लटका मिला ऑटो चालक का शव, इलाके में मचा हड़कंप

डोंगरगढ़। डोंगरगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम अछोली स्थित सुदर्शन पहाड़ के पास शुक्रवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई, जब एक युवक का शव पेड़ से फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला। मृतक की पहचान ग्राम अछोली निवासी 36 वर्षीय अमित हत्थेल के रूप में हुई है। वह डोंगरगढ़ में ऑटो चालक के तौर पर कार्यरत था।

जानकारी के मतुाबिक, स्थानीय लोगों ने जब पेड़ पर शव लटका देख तत्काल डोंगरगढ़ पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर कब्जे में लिया। घटना स्थल पर आसपास लोगों की भीड़ जुट गई और पूरे इलाके में घटना को लेकर चर्चा का माहौल बन गया। पुलिस ने मौके का मुआयना कर पंचनामा कार्रवाई शुरू की है। प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन पुलिस किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले हर पहलू से जांच कर रही है। मृतक ने यह कदम किन परिस्थितियों में उठाया, इसके पीछे क्या वजह रही,

इसका खुलासा जांच के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर मामले की तह तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। इस घटना के बाद अछोली और आसपास के क्षेत्र में सनसनी का माहौल बना हुआ है।

खास खबर

भिलाई में डीएसपी के बेटे ने लगाई फांसी

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के भिलाई में सुसाइड का मामला सामने आया है। जहां गुरुवार रात डीएसपी बेटे ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जब उनके डीएसपी के बेटे ने इस घटना को अंजाम दिया तब घटना के समय घर पर कोई नहीं था, और उनके पिता की विधानसभा में ड्यूटी लगी थी। माँ और बहन जबलपुर सदी में गए हुए थे। युवक बीबीए फेर्स्ट ईयर का छात्र था। मामला स्मृति नगर चौकी क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम आयुष झारिया (20) है, जो कि रुंगटा कॉलेज के बीबीए फर्स्ट ईयर का स्टूडेंट था। उसके पिता संतोष झारिया डीएसपी हैं और भिलाई की प्रथम वाहिनी बटालियन में पदस्थ हैं। वह अपने परिवार के साथ बटालियन के पीछे स्थित कॉलोनी में रहते हैं। गुरुवार रात संतोष झारिया ड्यूटी से वापस घर पहुंचे। उन्होंने हमेशा की तरह बेटे को आवाज दी, लेकिन कमरे से कोई जवाब नहीं मिला, जिसके बाद उन्होंने खिड़की से झांककर देखा तो उनके होश उड़ गए। बेटा फंदे से लटका हुआ था।

11.7 लीटर अवैध शराब बरामद, आरोपी गिरफ्तार

राजनांदगांव। आबकारी विभाग राजनांदगांव ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए डोंगरगांव थाना क्षेत्र के ग्राम आरी में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान कुल 11.7 बल्क लीटर मदिरा जब्त की गई। आबकारी विभाग को मिली सूचना के आधार पर टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम आरी स्थित आरोपी के घर पर दबिश दी। तलाशी के दौरान 76 नग देशी संत्रा मदिरा (प्रत्येक 90 एमएल) एवं 27 नग विदेशी व्हिस्की (प्रत्येक 180 एमएल) बरामद की गई। मामले में आरोपी प्रदीप राजपूत (39), निवासी ग्राम आरी, को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के खिलाफ छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(2), 36 एवं 59(क) के तहत गैरजमानती प्रकरण दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई कलेक्टर जितेंद्र यादव के निर्देशन एवं प्रभारी सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में की गई। आबकारी उपनिरीक्षक तुलेश्वरी देवांगन के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक मुकेश कुमार वर्मा, मुख्य आरक्षक मिलाप मंडावी सहित टीम के अन्य सदस्य शामिल रहे।

ओवरलोड कोयला ले जा रहे 3 ट्रेलर जब्त, 6 गिरफ्तार

कोरबा। दीपका खदान से कोयला परिवहन की आड़ में ओवरलोड कोयला चोरी करने वाले सिंडिकेट को पुलिस ने पकड़ा है। मामले में ट्रांसपोर्टर से लेकर पेलोडर ऑपरेटर व ट्रेलर ड्राइवर समेत 6 आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। एसईसीएल की खदानों से कोयला परिवहन की आड़ में ओवरलोडिंग का खेल लंबे समय से चल रहा है। दीपका खदान में भी ऐसा ही सिंडिकेट माल वाहकों में तय मात्रा से अधिक कोयला लोडिंग करवाकर चोरी में सक्रिय था। गुरुवार की रात दीपका थाना की गश्त टीम को सिंडिकेट की ओर से तीन ट्रेलर बिलासपुर रवाना करने की सूचना मिली। थाना प्रभारी प्रेमचंद साहू के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सिरकी मोड़ पर घेराबंदी कर ट्रेलर-सीजी 10 बीएक्स 0792, सीजी 10 बीएक्स 8288 व सीजी 10 बीवाई 8288 को पकड़ा। इनमें 57 टन अतिरिक्त कोयला पाया गया। 215 टन कोयला लदे तीनों ट्रेलर के साथ ओवरलोडिंग में प्रयुक्त पेलोडर को भी जब्त किया गया है। मामले में दीपका निवासी रौनक गुप्ता, सरफराज खान उर्फ पम्मी, झारखंड गढ़वा निवासी मुकेश चौधरी, बिहार सिवान निवासी सुजीत सिंह, मप्र सीधी निवासी मुबारक खान, कोरिया निवासी अर्जुन बंसल को गिरफ्तार किया। आरोपियों को शुक्रवार को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है। मामले में फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

डिप्टी-ब्रांच-मैनेजर ने पति संग मिलकर की 1.38 करोड़ की धोखाधड़ी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में आईसीआईसीआई बैंक में 1 करोड़ 38 लाख रुपए की धोखाधड़ी की गई है। बैंक की डिप्टी ब्रांच मैनेजर ने अपने पति समेत कई लोगों के साथ मिलकर बैंक और ग्राहकों की एफडी डिपॉजिट के साथ ही गोल्ड लोन का सोना लेकर फरार हो गई है।

गड़बड़ी सामने आने के बाद बैंक प्रबंधन ने डिप्टी ब्रांच मैनेजर को बर्खास्त कर दिया है। बैंक के ब्रांच मैनेजर की रिपोर्ट पर पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। मामला सिविल लाइन क्षेत्र के मंगला स्थित आईसीआईसीआई बैंक शाखा का है।

दरअसल, मंगला ब्रांच के वर्तमान ब्रांच मैनेजर अरूप पाल ने बैंक ऑडिट में गड़बड़ी पकड़ने के बाद पुलिस से

शिकायत की है। उन्होंने पुलिस को बताया कि, 17 सितंबर 2025 को दैनिक बैंकिंग कार्यों के दौरान वित्तीय लेन-देन रिपोर्ट की समीक्षा की गई। जांच में पाया गया कि, रिपोर्ट का अंतिम पन्ना गायब था, जिसे डिप्टी ब्रांच मैनेजर तनीषा अग्रवाल ने जानबूझकर हटाया था।

गोल्ड लोन का असली सोना गायब, नकली गहने मिले

जब उन्होंने बारीकी से जांच कर ऑडिट किया, तो पता चला कि गोल्ड लोन के 4 पाउचों में असली जेवरों की जगह नकली ज्वेलरी मिले। उन्होंने बताया कि सोने के असली गहनों को गायब कर दिया गया है।

ग्राहकों के 87.95 लाख का ट्रांजेक्शन

जांच में यह भी पता चला कि ग्राहकों के फर्जी हस्ताक्षर कर 87.95 लाख रुपए के 14 अवैध ट्रांजेक्शन किए गए। इसी तरह एफडी पर ओवरड्राफ्ट कर एक महिला ग्राहक की 30 लाख की जमा पूंजी में से बिना अनुमति 28.29 लाख रुपए निकाल लिए गए।

कई ग्राहकों के एफडी और निवेश के रिकार्ड गायब

जांच में यह भी पता चला कि, कई ग्राहकों के फिक्स्ड डिपॉजिट और निवेश के वाउचर बैंक रिकॉर्ड से गायब पाए गए। पूरे मामले में सभी ने मिलकर अगस्त 2024 से सितंबर 2025 तक 1.38 करोड़ रुपए की हेराफेरी को अंजाम दिया है।

इस मामले में थाना प्रभारी एसआर साहू ने अरूप पाल की लिखित शिकायत पर आरोपी डिप्टी ब्रांच मैनेजर, उसके पति और अन्य के खिलाफ गबन और धोखाधड़ी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पति के साथ मिलकर रची साजिश, अब दोनों फरार

इस पूरे घोटाले में डिप्टी ब्रांच मैनेजर और उसका पति भी शामिल है, जो खुद बैंक कर्मचारी थे। बताया जा रहा है कि आरोपी महिला अधिकारी ग्राहकों के घर जाकर बैंकिंग सेवा देने के बहाने उनके मोबाइल एप का एक्सेस लेती थी और धोखाधड़ी को अंजाम देती थी। आरोपी और उसका पति 22 सितंबर 2025 से ही फरार बताए जा रहे हैं।

टांगी से वार कर जान लेने वाले आरोपी को उम्रकैद

जांजगीर। जांजगीर के मुलमुला थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नरियरा के बहुचर्चित हत्याकांड में न्यायालय ने बड़ा फैसला सुनाया है। न्यायाधीश जयदीप गर्ग ने टांगी से हमला कर धरमलाल राठौर की हत्या करने वाले आरोपी तिरीथराम पटेल और उसके दो बेटों, रामकुमार व संतराम को दोषी पाते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही तीनों पर 10-10 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया है।

गर्लफ्रेंड ने दिया धोखा, तो राह चलती युवती पर चलाया चाकू

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। पंचवटी के पास एक महीने पहले युवती पर चाकू से जानलेवा हमला करने के आरोपी व उसके सहयोगी किशोर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार घटना 27 मार्च 2026 की सुबह करीब पौन 11 बजे की है।

सीएसईबी चौकी अंतर्गत पंप हाउस निवासी आशा खेवरार रोज की तरह ड्यूटी करने पैदल जा रही थी। इस दौरान बाइक में दो लोगों ने पीछे से चाकू से हमला किया। युवती को गंभीर रूप से घायल कर आरोपी भाग गए।

मामले में पुलिस केस दर्ज कर विवेचना में जुटी थी। पुलिस ने जांच के दौरान आस-पास के क्षेत्रों के 100 से अधिक संदिग्धों से पूछताछ की। एक महीने की

माह के कोशिश के बाद पुरानी बस्ती धनवार पारा निवासी शक्ति कुमार सहीस (19) व नाबालिग साथी का पता चला। हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर आरोपियों ने अपराध स्वीकार कर लिया।

आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसका गर्लफ्रेंड से ब्रेकअप हो गया था। गर्लफ्रेंड के धोखा देने से वह तनाव में था। वह अपने साथी के साथ चाकू लेकर गर्लफ्रेंड को मारने के लिए निकला था। रास्ते में उसे युवती मोबाइल पर बात करते हुए पैदल जाते दिखी। उसे लगा कि वह भी किसी से बात कर रही है, जिसे वह उसकी गर्लफ्रेंड की तरह धोखा देगी। इसके बाद उसने उस पर ही चाकू से हमला कर दिया। हमलावर।

ऑनलाइन सट्टा रैकेट का भंडाफोड़, सरगना सहित 7 गिरफ्तार

2 करोड़ का हिसाब मिला, क्रेटा कार, 3 लैपटॉप, 21 मोबाइल जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर के सकरी पुलिस ने ऑनलाइन लूडो और आईपीएल सट्टा खिलाने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गिरोह के सरगना राहुल छाबड़ा सहित सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शुरुआती जांच में 2 करोड़ रुपए से अधिक के सट्टे का हिसाब-किताब मिला है।

पुलिस ने ओम स्पेस कॉलोनी, सकरी स्थित एक किराए के मकान में दबिश दी। यहां गिरोह ने सट्टा संचालन के लिए कंट्रोल रूम बना रखा था। बताया जा रहा है कि गिरोह मध्य प्रदेश के सागर, बालाघाट और कटनी जिलों से युवकों को बुलाकर ऑनलाइन लूडो और आईपीएल मैचों पर करोड़ों रुपए का सट्टा चला रहा था।

यह हाईटेक सट्टा रैकेट किसी मुखबिर की सूचना से नहीं, बल्कि बीट पुलिस की सतर्कता से पकड़ा गया। कॉलोनी में कुछ बाहरी युवक महीनों से किराए के मकान में रह रहे थे और दिनभर बाहर नहीं निकलते थे।

रात के समय घर के अंदर से लगातार कई मोबाइल फोन बजने और लैपटॉप की रोशनी दिखने पर पुलिस को शक हुआ। इसके बाद इंटरनेट डेटा और लोकेशन की तकनीकी जांच की गई, जिसमें एक ही जगह से कई डिवाइस सक्रिय मिले। इसके बाद सकरी पुलिस और एसीसीयू टीम ने आधी रात को छापेमारी की।

कार्रवाई में पुलिस ने बड़ी मात्रा में सामान जब्त किया है। इसमें शामिल हैं- 21 मोबाइल फोन,3 लैपटॉप, 13 एटीएम कार्ड, 8 पासबुक, 1 क्रेटा कार (एमपी 18जेडबी8565)।

30 हजार सैलरी पर बुलाए गए युवक

पुलिस के अनुसार, स्वर्णिम ऐरा कॉलोनी सरकंडा निवासी राहुल छाबड़ा (30) ने मध्य प्रदेश से युवकों को हर महीने 30-30 हजार रुपए सैलरी और रहने-खाने की सुविधा देकर बुलाया था। जांच में गिरोह के दिल्ली कनेक्शन के संकेत मिले हैं। पुलिस को बाबू सिंधी और टोनी नाम के लोगों से लिंक की जानकारी मिली है। इस एंगल पर भी जांच जारी है।

बड़े मास्टरमाइंड तक पहुंचने की कोशिश

एसएसपी रजनेश सिंह ने बताया कि जब्त मोबाइल और लैपटॉप के डेटा के जरिए पूरे नेटवर्क और बड़े संचालकों तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि जल्द ही इस सिंडिकेट के और बड़े चेहरे सामने आएंगे।

आरोपियों के नाम-

राहुल छाबड़ा, ओमप्रकाश नागवानी, आशीष सोमानी, कैलाश चावला, विजय नागवानी, दिनेश लालवानी, एक नाबालिग।

बस्तर में जादू-टोना के शक में ग्रामीण की हत्या

एक भाई ने चाकू से सीने में गोदा, दूसरे ने गला रेत दिया, दोनों गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। बस्तर जिले के पखनार गांव में अंधविश्वास और आपसी रंजिश ने एक ग्रामीण की जान ले ली। जादू-टोना के शक में दो सगे भाइयों ने मिलकर गांव के ही एक व्यक्ति की हत्या कर दी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामला दरभा थाना क्षेत्र का है।

पुलिस के अनुसार, 30 अप्रैल दोपहर की वारदात हुई है। मंगलू मंडावी अपने घर के पास आम के पेड़ के नीचे बैठा था। इसी दौरान गांव के ही दो सगे भाई आयतु मड़कामी और सुखराम मड़कामी शराब के नशे में पहुंचे। दोनों ने मंगलू पर जादू-टोना करने का आरोप लगाते हुए विवाद शुरू कर दिया।

चाकू से वारकर की हत्या

विवाद बढ़ने पर आयतु ने अचानक चाकू निकालकर मंगलू के सीने पर हमला कर दिया। हमले में घायल मंगलू जब तड़पने लगा, तब बड़े भाई सुखराम ने चाकू छीनकर उसका गला रेत दिया। मौके पर ही मंगलू की मौत हो गई।

वारदात के बाद फरार हो गए थे आरोपी

वारदात के बाद दोनों आरोपी जंगल की ओर फरार हो गए। सूचना मिलते ही दरभा पुलिस ने इलाके में घेराबंदी कर 1 मई को दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 103(1) और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

अंधविश्वास के चलते हुई हत्या

जिले में एक बार फिर अंशविश्वास के चलते हत्या हुई है। अंधविश्वास ने खतरनाक परिणामों को उजागर कर दिया है, जहां शक के आधार पर एक व्यक्ति की जान ले ली गई। बस्तर में जादू-टोना के शक में इससे पहले भी कई हत्याएं हो चुकी हैं।

तीन दिन से लापता युवक का खेत में मिला जला शव

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। युवक 25 अप्रैल से लापता था। उसकी लाश 28 अप्रैल को पंतोरा क्षेत्र के एक खेत में जली हुईहालत में मिली। मृतक की पहचान कन्हैया यादव (35 वर्ष) के रूप में हुई है, जिसे स्थानीय लोग ननकी के नाम से जानते थे। वह पेशे से रसोइया था। 25 अप्रैल को वहपरिवार और सहयोगियों के साथबलौदा थाना क्षेत्र के ग्राम पंतोरा मेंएक शादी समारोह में खाना बनानेगया था। शाम करीब 5 बजे वहनिजी काम का हवाला देकर वहां सेनिकला, लेकिन वापस नहीं लौटा।27 अप्रैल को परिजनों ने बलौदाथाना और पंतोरा चौकी पहुंच कर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

इन बिंदुओं पर जांच हो रही पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण कर पंचनामा तैयार किया। जांच मेंयह देखा जा रहा है कि पैरा में आग अपने आप लगी या जानबूझकर लगाई गई। युवक वहां कैसे पहुंचा और आग लगने के दौरान बचाव की कोशिश क्यों नहीं हुई, इन सवालों की भी जांच की जा रही है।

पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौतके कारण स्पष्ट होंगे। युवक कीमौत से परिजनों और वार्ड वासियों में शोक है और निष्पक्ष जांच कीमांग की जा रही है।

चार युवकों ने दो दोस्तों पर कटर-डंडे से किया हमला

दुर्ग। पुलगांव थाना अंतर्गत ग्राम कोनारी में गुरुवार की रात चार अज्ञात युवकों ने दो युवकों पर कटर, डंडे और हाथ-मुक्कों से हमला कर दिया। पुलिस के मुताबिक, घायल डोमन यादव और सुरेश यादव 30 अप्रैल की रात भरदा मोड़ के पास कोनारी तालाब पार बैठकर बात कर रहे थे। इसी दौरान चार अज्ञात युवक वहां पहुंचे और उनसे सोनू नामक युवक के बारे में पूछताछ करने लगे। दोनों ने सोनू को नहीं जानने की बात कही तो आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। जान से मारने की धमकी देते हुए हमला कर दिया।

प्रमुख खबरें

महिला बाल विकास मंत्री ने दी श्रमिकों को शुभकामनाएं

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर प्रदेश के सभी श्रमिक भाई-बहनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि श्रमिकों के परिश्रम और समर्पण से देश और प्रदेश के विकास की मजबूत नींव तैयार हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार श्रमिकों के जीवन में खुशहाली और सुरक्षा प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

छत्तीसगढ़ में पांच दिन आंधी पानी का अलर्ट, 60 की रफ्तार से चलेगी हवा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अगले 5 दिनों तक गरज-चमक, तेज हवा और हल्की बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने कई इलाकों में 40 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है। प्रदेश में मौसम ने अचानक करवट ली है, जिसके चलते पिछले 24 घंटों के दौरान कई इलाकों में हल्की बारिश, तेज हवाएं और कहीं-कहीं ओलावृष्टि दर्ज की गई। मौसम विभाग के मुताबिक इस बदलाव से पूरे प्रदेश में अधिकतम तापमान में 1 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आई है। बीते 24 घंटों के दौरान मैनपुर और चंद्रपुर में 1-1 सेंटीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई।

अवैध खनन के लिए कलेक्टर ठहराए जाएंगे जिम्मेदार : आदेश

रायपुर। खनिज सचिव पी. दयानंद ने स्पष्ट कर दिया है कि मुख्यमंत्री के 'जीरो टॉलरेंस' निर्देश के बावजूद यदि किसी जिले में अवैध खनन या परिवहन पाया गया, तो संबंधित कलेक्टरों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय करते हुए सीधे कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि ड्रोन सर्वे या केन्द्रीय उड़नदस्ता दल द्वारा यदि कहीं भी अवैध गतिविधियों के प्रमाण मिलते हैं, तो उसके लिए जिला प्रशासन और खनन अधिकारी सीधे तौर पर जिम्मेदार होंगे।

पंचायतों को मजबूत करने का सुफल

बाल हितैषी पंचायत में कछिया ने प्रदेश में बनाया कीर्तिमान, जनभागीदारी से ऐतिहासिक उपलब्धि

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पंचायतों को सशक्त बनाने की दिशा में किए जा रहे सतत प्रयासों का सकारात्मक परिणाम अब राज्य स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से संचालित पहलों के बीच जिला बलरामपुर-रामानुजगंज के जनपद पंचायत वाड्रफनगर अंतर्गत ग्राम पंचायत कछिया ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए पूरे प्रदेश में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है।

ग्राम पंचायत कछिया ने सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण के तहत पीएआई 2.0 सर्वे के 9 थीम में से थीम-3 (बाल हितैषी पंचायत) में 95.71 अंक प्राप्त कर प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय बन गई है।

इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा तथा जिले की प्रभारी मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने ग्राम पंचायत कछिया के जनप्रतिनिधियों, पंचायत अमले और ग्रामीणों को बधाई देते हुए इसे राज्य के अन्य पंचायतों के लिए प्रेरणादायक बताया है। उन्होंने कहा कि यह सफलता सबका साथ, सबका विकास की भावना और जनभागीदारी आधारित विकास मॉडल का उत्कृष्ट उदाहरण है।

ग्राम पंचायत कछिया ने बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए एक समग्र बाल हितैषी वातावरण विकसित किया है। पंचायत के प्राथमिक एवं मिडिल स्कूलों में कुल 155 बच्चे अध्ययनरत हैं, जिनमें बालिकाओं की संख्या उल्लेखनीय है। पंचायत द्वारा बच्चों के अधिकारों की रक्षा, विद्यालयों में उपस्थिति बढ़ाने, स्वच्छता सुधार, पोषण और सुरक्षा के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा विद्यालयों का नियमित निरीक्षण, स्कूल प्रबंधन समिति के साथ समन्वय, स्वच्छता अभियान, सुरक्षित पेयजल व्यवस्था, स्वास्थ्य जागरूकता, तथा ग्रामसभा में बच्चों से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देना इस सफलता के प्रमुख आधार रहे हैं। आंगनबाड़ी केंद्रों के साथ समन्वय कर एनीमिया मुक्त पंचायत, शत-प्रतिशत टीकाकरण और मातृ-पोषण पर विशेष ध्यान दिया गया है।

प्रारंभिक चरण में पलायन, आर्थिक स्थिति और जागरूकता की कमी के कारण बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो रही थी। पंचायत ने घर-घर संपर्क, अभिभावक संवाद, नियमित समीक्षा बैठकें और सामुदायिक जागरूकता के माध्यम से इन चुनौतियों को दूर किया।

ग्राम पंचायत ने बाल हितैषी गतिविधियों को स्थायी रूप देने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की है, जिसमें शत-प्रतिशत नामांकन, शून्य ड्रॉपआउट, नियमित मॉनिटरिंग, स्वच्छता अभियान और बाल सुरक्षा सुनिश्चित करना शामिल है।

श्रमिक दिवस पर सेवा सदन में सामूहिक भोजन एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव के मुख्य आतिथ्य में दुर्ग के सेवा सदन में आज श्रमिक साथियों के साथ सादगीपूर्ण वातावरण में सामूहिक भोजन का आयोजन किया गया।

श्री यादव ने कहा कि श्रमिकों की मेहनत और समर्पण ही समाज एवं राष्ट्र की प्रगति का आधार है। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के योगदान का सम्मान करना हम सभी का दायित्व है और ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित श्रमिकों ने भी अपने विचार मंत्री श्री यादव के साथ साझा किए तथा इस पहल के लिए आभार व्यक्त किया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य श्रमिकों के सम्मान को बढ़ावा देना एवं उनके प्रति समाज में सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना रहा। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

आवासीय खेल अकादमी चयन ट्रायल में शामिल हुए 753 खिलाड़ी, आवास-भोजन-प्रशिक्षण फ्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित आवासीय खेल अकादमी में प्रवेश के लिए 28 अप्रैल से 1 मई तक चयन ट्रायल का आयोजन रायपुर के कोटा स्थित स्वामी विवेकानंद स्टेडियम एवं सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम पिच-2 रायपुर में किया गया। चार दिवसीय चयन ट्रायल के अंतिम दिन आज हॉकी एवं एथलेटिक्स के खिलाड़ियों के खेल कौशल का ट्रायल लिया गया।

चार दिनों तक चले चयन ट्रायल में हॉकी, एथलेटिक्स, फुटबॉल, तीरंदाजी एवं वेटलिफ्टिंग के कुल 753 खिलाड़ियों ने भाग लिया। हॉकी में 284, तीरंदाजी में 95, फुटबॉल में 89, एथलेटिक्स में 256 एवं वेटलिफ्टिंग में 29 बालक-बालिकाओं ने भागीदारी की। अकादमी के लिए खिलाड़ियों का चयन मोटर एबिलिटी एवं खेल कौशल के आधार पर किया जाएगा। खिलाड़ियों की अंतिम चयन सूची दस्तावेज सत्यापन, चिकित्सा परीक्षण, शारीरिक दक्षता परीक्षण व खेल कौशल के आधार पर जारी की जाएगी।

चयनित खिलाड़ी राज्य शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित आवासीय खेल परिसर में निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। चयनित खिलाड़ियों को निःशुल्क आवास, भोजन, शैक्षणिक व्यय, खेल परिधान, प्लेइंग किट एवं दुर्घटना बीमा जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। चयन ट्रायल में सम्मिलित हुए सभी खिलाड़ियों को विभाग द्वारा निःशुल्क भोजन, आवास व मेडिकल सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई।

उचित मूल्य की दुकानें शासन की मजबूत कड़ी, क्रियान्वयन में इनकी भूमिका अहम

- शासकीय उचित मूल्य दुकान विक्रेता एवं संचालक संघ के सम्मेलन में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव शुक्रवार को लोरमी के मानस मंच में आयोजित प्रदेश स्तरीय शासकीय उचित मूल्य दुकान विक्रेता एवं संचालक संघ के सम्मेलन में शामिल हुए। सम्मलेन में उन्होंने संघ को सार्वजनिक वितरण प्रणाली को पारदर्शी व प्रभावी बनाने का श्रेय दिया। साथ ही उनकी 6 मांगों पर गंभीरता से चर्चा का आश्वासन दिया।

उन्होंने संघ के सामुदायिक भवन के निर्माण के लिए 15 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इन भवनों का लाभ सबको मिलता है। यह समूह भावना को विकसित करता है।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली आम जनता के जीवन से सीधे जुड़ी हुई व्यवस्था है। आप हितग्राहियों तक समय पर राशन पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में हजारों परिवारों के खाद्यान्न वितरण की जिम्मेदारी निभाते हैं। यह केवल एक कार्य नहीं है, यह सामाजिक दायित्व है। आप सभी की सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में महती भूमिका है।

पांच साल में बढ़ेगा जीवन दीप कर्मचारियों का वेतन

उपमुख्यमंत्री ने दिए बरसात के पहले एटीआर क्षेत्र के गांवों में मेगा स्वास्थ्य शिविर लगाने के निर्देश

- लोरमी के 50 बिस्तर अस्पताल में जीवन दीप समिति की बैठक सम्पन्न

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लोरमी स्थित 50 बिस्तर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य अस्पताल में आज जीवन दीप समिति की साधारण समिति की बैठक उप मुख्यमंत्री अरुण साव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक से पहले उप मुख्यमंत्री ने अस्पताल का निरीक्षण भी किया।

उन्होंने यहां उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, साफ-सफाई की व्यवस्था एवं गार्डन की हरियाली की सराहना की। उन्होंने व्यवस्थाओं पर संतोष जताते हुए सेवाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

बैठक में एजेंडावार चर्चा करते हुए स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार एवं सुधार हेतु कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जीवन दीप समिति के कर्मचारियों के मानदेय में पांच वर्ष पूर्ण होने पर प्रतिमाह 2000 रुपये वृद्धि की स्वीकृति दी गई। साथ ही अस्पताल के सोलर सिस्टम की मरम्मत, बैटरी बदलने एवं जनरेटर सुधार के लिए डीएमएफ मद से प्रस्ताव तैयार कर कलेक्टर मुंगेली को भेजने के निर्देश दिए गए।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने अस्पताल में नए पेइंग वार्ड के निर्माण के लिए अपने विधायक मद से 20 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की। वहीं डीएमएफ मद से शव वाहन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी स्वास्थ्य विभाग को दिए।

निर्माणाधीन ब्लड बैंक एवं इंटीग्रेटेड लैब को शीघ्र पूर्ण करने तथा 50 बिस्तर अस्पताल को 100 बिस्तर में उन्नत करने के लिए अतिरिक्त भवन स्वीकृति हेतु शासन को प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए गए। इसके लिए सहकारिता विभाग के पुराने गोदाम की भूमि स्वास्थ्य विभाग को आबंटित करने की प्रक्रिया तेज करने कहा गया।

बरसात से पूर्व एटीआर क्षेत्र के गांवों में मेगा स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने, खुड़िया बांध के पार स्थित गांवों के लिए बोट एम्बुलेंस प्रस्ताव तैयार करने तथा अस्पताल की सुरक्षा के लिए रात्रि में पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाने और दो सुरक्षा गार्ड रखने की स्वीकृति दी बैठक में दी गई।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने अस्पताल से अनावश्यक रिफरल केस को कम करने पर भी जोर देते हुए मरीजों को स्थानीय स्तर पर बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

लोरमी एसडीएम श्री अजीत पुजारी और डीपीएम श्री गिरीश कुर्रे सहित जीवन दीप समिति के सदस्य और विभागीय अधिकारी भी बैठक में मौजूद थे।

बलौदाबाजार जिले में जनसमस्या निवारण महाभियान शुरू

सुशासन तिहार : गांवों में खत्म हो रहा शिकायतों का दौर, झटपट हो रहा समस्याओं का निराकरण

- 10 जून तक चलेंगे शिविर, ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में 49 स्थानों पर पहुंचेंगी 'समाधान की चौपाल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सरकार की 'सुशासन' को धरातल पर उतारने की कवायद तेज हो गई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में 'सुशासन तिहार' के जरिए प्रशासन सीधे ग्रामीणों के दरवाजे पर दस्तक दे रहा है। शुक्रवार को ग्राम रिसदा से शुरू हुए इस अभियान ने पहले ही दिन सफलता के नए मानक स्थापित किए हैं।

मौके पर न्यायः 47 प्रतिशत आवेदकों को तत्काल राहत

इस अवसर पर राजस्व मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार की प्राथमिकता अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को मुस्कुराते हुए देखना है।उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविर के बाद भी आवेदकों से फीडबैक लिया जाए कि वे समाधान से संतुष्ट हैं या नहीं।

रिसदा के हाई स्कूल प्रांगण में लगे शिविर की सबसे बड़ी विशेषता इसकी संवेदनशीलता रही। शिविर में आए 573 आवेदनों में से लगभग आधे का निराकरण राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा की मौजूदगी में अधिकारियों ने तुरंत किया। यह इस बात का प्रमाण है कि सरकारी मशीनरी अब फाइलों को अटकाने के बजाय सुलझाने पर ध्यान दे रही है। जिन आवेदनों में तकनीकी पेच हैं, उनके लिए कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने समय-सीमा निर्धारित कर दी है।

विकास का 'वन-स्टॉप' डेस्टिनेशन बने स्टॉल

शिविर में केवल शिकायतें ही नहीं सुनी गईं, बल्कि शासन की कल्याणकारी योजनाओं का 'डिलीवरी सेंटर' भी बनाया गया। पुलिस विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा हेतु हेलमेट वितरण और भारत माता वाहिनी को संसाधन भेंट किए गए। इसी तरह युवाओं को कौशल विकास का सम्मान पत्र और टीबी मुक्त गांव के सरपंचों को महात्मा गांधी की प्रतिमा भेंट कर सामाजिक सहभागिता को सराहा गया। शिविर में स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल पर डिजिटल एक्स-रे और तत्काल आयुष्मान कार्ड बनाने की सुविधा ने बुजुर्गों और मरीजों को बड़ी राहत दी।

10 जून तक हर घर तक पहुंचेगी सरकार

कलेक्टर ने कहा कि यह एक दिवसीय आयोजन मात्र नहीं, बल्कि एक अभियान है। जिले के 30 ग्रामीण केंद्रों और 19 नगरीय निकायों में प्रत्येक नागरिक की पहुंच प्रशासन तक सुनिश्चित की जाएगी। रिसदा शिविर की सफलता ने यह साफ कर दिया है कि यदि प्रशासन जन-प्रतिनिधियों के साथ समन्वय बिठाकर गांव की चौपाल तक पहुंचे, तो बड़ी से बड़ी समस्याओं का समाधान संभव है।

प्रदेशव्यापी सुशासन तिहार का आग़ाज़

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में जन-जन तक पहुंचा सुशासन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सुशासन की अवधारणा को जमीनी स्तर पर साकार करने की दिशा में आज एक मई से सुशासन तिहार 2026 का प्रदेशव्यापी शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में 01 मई से 10 जून तक संचालित होने वाला यह अभियान शासन और आमजन के बीच की दूरी को समाप्त कर पारदर्शी, त्वरित एवं संवेदनशील प्रशासन सुनिश्चित करने की एक महत्वपूर्ण पहल है।

अभियान के प्रथम दिवस प्रदेश के विभिन्न जिलों में जनसमस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया गया, जहां मंत्रीगण, जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी स्वयं उपस्थित होकर आम नागरिकों की समस्याएं सुनते नजर आए। यह पहल वास्तव में राज्य के अंतिम व्यक्ति तक शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों का लाभ पहुंचाने की छत्तीसगढ़ सरकार की प्रतिबद्धता को पूरा करने का प्रभावी माध्यम है।

बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के ग्राम रिसदा में आयोजित शिविर में जनसैलाब उमड़ पड़ा। यहां प्राप्त 573 आवेदनों में से लगभग 47 प्रतिशत का मौके पर ही निराकरण किया गया। राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन का समय-सीमा में निराकरण किया गया और आवेदकों से संतुष्टि फीडबैक भी लिया जाए।

कोरबा जिले के कटघोरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम धनरास में आयोजित शिविर में 332 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 103 का तत्काल समाधान किया गया। वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि यह अभियान शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बन रहा है।

इसी क्रम में रायपुर जिले के अभनपुर विकासखंड के ग्राम कठिया में आयोजित शिविर में मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब की उपस्थिति में कई हितग्राहियों को शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया गया। महिलाओं को मनरेगा जॉब कार्ड प्रदान किए गए। दिव्यांग हितग्राही श्री योगेश यादव को मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराई गई।

शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा वन-स्टॉप समाधान केंद्र के रूप में स्टॉल लगाए गए, जहां आमजन को आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, केसीसी ऋण, उज्ज्वला योजना, कृषि उपकरण, मत्स्य पालन सामग्री सहित विभिन्न योजनाओं का लाभ मौके पर ही प्रदान किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा डिजिटल एक्स-रे जैसी सुविधाओं की उपलब्धता ने ग्रामीणों को त्वरित राहत दी।

सुशासन तिहार के माध्यम से न केवल शिकायतों का निराकरण किया जा रहा है, बल्कि आम नागरिकों को शासन की योजनाओं के प्रति जागरूक कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं।

सारंगढ़-बिलाईगढ़ में जनगणना-2027 का शंखनाद : शुरू हुआ घर-घर सर्वेक्षण कार्य

श्रीकंचनपथ समाचार

सारंगढ़-बिलाईगढ़। भारत की जनगणना- 2027 के अंतर्गत प्रथम चरण यानी 'मकान सूचीकरण और मकानों की गणना' का कार्य आज से जिले में औपचारिक रूप से प्रारंभ हो गया है। इस महाअभियान के सफल संचालन हेतु 1300 से अधिक प्रगणक एवं सुपरवाइजर नियुक्त किए गए हैं, जो 1 मई से 30 मई तक घर-घर जाकर मकानों की गणना करेंगे। गौरतलब है कि इतिहास में पहली बार जनगणना पूर्ण रूप से डिजिटल माध्यम से की जा रही है, जिसे प्रगणक अपने मोबाइल ऐप के जरिए संपन्न करेंगे। तहसील कार्यालय सारंगढ़ पहुँचकर जिले के प्रमुख जनगणना अधिकारी कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे एवं जिला जनगणना अधिकारी डिप्टी कलेक्टर उमेश कुमार साहू एवं चार्ज अधिकारी तहसीलदार नंदकिशोर सिन्हा ने प्रगणकों को पुष्प भेंट किए और उन्हें फील्ड कार्य के लिए रवाना किया। इस अवसर पर कलेक्टर ने प्रगणकों को निर्देशित किया कि वे सर्वे के दौरान डेटा की गुणवत्ता और सटीकता का विशेष ध्यान रखें और निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करें।

जिले में पड़ रही अत्यधिक गर्मी और लू को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर ने प्रगणकों को अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखने की सलाह दी है। उन्होंने फील्ड के दौरान सीधे धूप से बचने और अपने साथ पर्याप्त पानी एवं ओआरएस रखने को कहा है।

प्रशासन ने अपील की है कि जब भी प्रगणक आपके घर पहुँचें, तो उन्हें सही और पूरी जानकारी उपलब्ध कराएं। यह एक राष्ट्रीय महत्व का कार्य है, जिसमें हर नागरिक की सही जानकारी राष्ट्र के उन्नति के लिए भविष्य की योजनाओं के निर्माण में सहायक होगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950